■ वर्ष-24 ■ अंक-206
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)

■ शनिवार ■ 12 सितंबर 2026

भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

दैनिक
समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट में शामिल होने पहुंचे दिल्ली

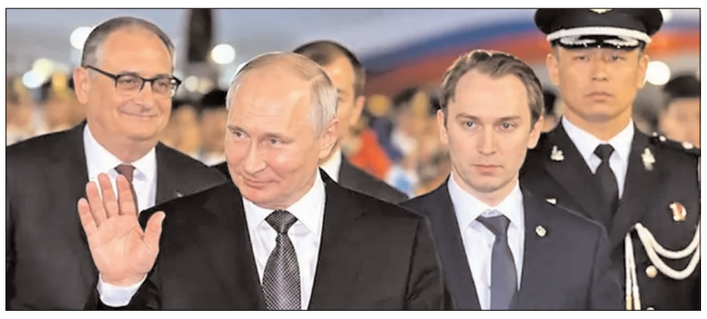

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां अपने चरम पर हैं। जिसमें शामिल होने रूसी राष्ट्रपति पुतिन दिल्ली पहुंच चुके हैं। इस बार का यह महासम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा मार्गों में बाधाएं जैसी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। अहम बात यह है कि इस विस्तारित समूह के नेता वैश्विक शासन, बहुपक्षवाद, व्यापार, निवेश, तकनीक, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और महत्वपूर्ण सप्लाई चेन जैसे अहम मुद्दों पर मंथन करेंगे। बता दें कि शिखर सम्मेलन की शुरुआत दोपहर 2.35 बजे ब्रिक्स सदस्य देशों की बंद कमरे की बैठक से होगी, जिसका विषय समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना है। इसके बाद, शाम 4.25 बजे सभी नेता भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। शाम 5.5 बजे आधिकारिक फैमिली फोटो और संयुक्त रूप से पेड़ लगाने का कार्यक्रम होगा। दिन के अंत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी मेहमान नेताओं के सम्मान में शाम 7.30 बजे एक भव्य रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। बात अब दूसरे दिन की करें तो, सुबह 9.55 बजे से ब्रिक्स सदस्य देशों, पार्टनर देशों और आमंत्रित मेहमानों का आना शुरू होगा। सुबह 10.35 बजे आधिकारिक समूह फोटो होगी, जिसके बाद 10.50 बजे मुख्य खुला सत्र शुरू होगा।

इस सत्र का शीर्षक लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता समावेशी वैश्विक विकास के लिए भविष्य को आकार देना रखा गया है। इसके अलावा अंत में नई दिल्ली घोषणापत्र के साथ इस सम्मेलन का समापन होगा।

व्यवस्था संभालने 15 हजार पुलिसकर्मी तैनात

इस महासम्मेलन में शामिल होने के लिए वैश्विक नेताओं का भारत आगमन शुरू हो चुका है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही भारत पहुंच चुके हैं। शेष देशों के शासनाध्यक्षों का आगमन भी जारी है। दुनिया भर के दिग्गज नेताओं के आने से दिल्ली को सुरक्षा के एक बहु-स्तरीय घेरे में बदल दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए लगभग 15000 दिल्ली पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियां तैनात की गई हैं। चप्पे-चप्पे पर नजर रखने के लिए 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कूटनीतिक एन्क्लेव और उन होटलों के आसपास सुरक्षा बेहद कड़ी कर दी गई है जहां विदेशी मेहमान ठहरेंगे। खास बात यह है कि चीन, रूस और ईरान के लिए अलग-अलग होटल तय किए गए हैं, और इन देशों की अपनी सुरक्षा टीमें भी राष्ट्रपतियों के पहुंचने से पहले ही दिल्ली आ चुकी हैं। हालांकि गौर करने वाली बात यह है कि सुरक्षा का दायरा सिर्फ वेन्यू तक सीमित नहीं है। नागर विमानन महानिदेशालय ने सात उत्तरी राज्यों में उड़ानों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। इसके अलावा, शुक्रवार से 52 घंटों के लिए दिल्ली के 300 किलोमीटर के दायरे में हल्के विमानों, ड्रोन और इसी तरह के अन्य हवाई वाहनों के इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। इतना ही नहीं सम्मेलन के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के संचालन (कैंसिलेशन, रूट डायवर्जन और रीशेड्यूलिंग) में भी फेरबदल किया गया है। इस महासम्मेलन को कवर करने के लिए दुनिया भर से 1200 से 1300 पत्रकार दिल्ली पहुंच रहे हैं, और भारत मंडपम इस दो दिवसीय कूटनीतिक आयोजन का केंद्र बना हुआ है।

सड़क हादसे में 3 बच्चों सहित आठ लोगों की हुई मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। इससे पहले गुरुवार को नांदेड जिले में नांदेड-भोकर रोड पर वैन और ट्रक की टक्कर हो गई थी। हादसे में 6 लोगों

की मौत हुई थी, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस के मुताबिक हादसा शाम करीब 7 बजे सीताखंडी घाट के पास हुआ। टाटा मैजिक वैन नांदेड से भोकर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

दो दिवसीय यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का मंगल आरंभ 25 सितंबर से

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में इसी महीने 25 सितंबर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का मंगल आरंभ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के नागरिकों को सुगम, सरल, सुरक्षित, आधुनिक और भरोसेमंद बस सेवा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है और इस लक्ष्य की पूर्ति में हम 25 सितम्बर से नया कदम बढ़ाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में 5 लाख किलोमीटर का रोड़ नेटवर्क है। यहां 15 हजार से अधिक बसें चलाने का स्कोप है। हमारे नागरिकों के अलावा प्रदेश में हर साल करोड़ों की संख्या में आने वाले पर्यटकों और श्रृद्धालुओं द्वारा भी आवागमन के लिए बस का उपयोग किया जाता है। यह हमारे लिए चुनौती के साथ ही एक बड़ा अवसर भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निजी बस आपरेटर्स, बस निर्माता कंपनियों, इंडस्ट्री पार्टनर्स और स्टेकहोल्डर्स से अपील करते हुए कहा कि बदलते समय में मप्र में बढ़ते अवसरों को पहचाने और प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए सरकार के साथ जुड़ें। प्रदेश में यात्रियों के हित में एक ऐसा फाईनेस्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट माडल तैयार करें, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण बने। मुख्यमंत्री डॉ यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत %यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 स्मारिका और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पुस्तिका का विमोचन किया। सासाराम (बिहार) के श्री सुधाकर कुमार को 5 लाख रुपये राशि के प्रथम पुरस्कार, दिल्ली के श्री चयन वोहरा को 2 लाख रुपये के द्वितीय सांत्वना पुरस्कार और भोपाल की सुश्री गौरांगी शर्मा को 1 लाख रुपये राशि के तृतीय सांत्वना पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

प्रदेश में स्मार्ट, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी इकोसिस्टम के निर्माण में प्रदेश के नागरिकों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और नवप्रवर्तकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर एमपी मोबिलिटी इनोवेशन चैलेंज 2026 का शुभारंभ किया।

विशेष प्रदर्शनी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसके पूर्व सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में नवाचारों और आधुनिक तकनीकों पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ और अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इंदौर के जनप्रतिनिधियों और बस ट्रांसपोर्ट संचालकों ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में 14 सितंबर को विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी का आगमन होने जा रहा है। स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने गणेश स्थापना के माध्यम से देशवासियों को एकजुट किया था। इसी माह 17 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस है। उनके नेतृत्व में पहले गुजरात और अब भारत ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनकी दूरदर्शी सोच से पूरा भारत गौरवान्वित है। श्री मोदी सर्वाधिक समय तक शासन करने वाले देश के इकलौते नेता हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देशभर से नक्सलवाद की समस्या खत्म हुई है। मध्यप्रदेश लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला देश का पहला राज्य है।

वेल्लोर में चर्च की छत गिरी, 3 की मौत, 11 मजदूर हुए घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में गुरुवार को निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा कटपाडी के पास मंडी कृष्णापुरम में हुआ। मजदूर चर्च की छत के लिए कंक्रीट डाल रहे थे, तभी स्लैब गिर गया। हादसे में 11 मजदूर घायल हुए हैं। जिन्हें वेल्लोर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और पड़ोसी आंध्र प्रदेश के चित्तूर के एक अस्पताल में भेजा गया। पुलिस ने बताया कि यह इमारत चर्च ऑफ साउथ इंडिया के लिए बनाई जा रही थी।

तभी 20 फुट ऊंचा स्टील मचान और सपोर्ट फ्रेमवर्क अचानक ढह गया। इससे मजदूर भारी कंक्रीट और मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद अरक्कोनम से नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीम भी मौके पर पहुंची, और जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग के साथ मिलकर मलबे में फंसे मजदूरों को बाहर निकाला। वेल्लोर की जिला कलेक्टर के मुताबिक घायलों में से 8 मजदूरों की हालत स्थिर है। हादसा क्यों हुआ, इसकी वजह पता लगाने के लिए जांच समिति बनाई जाएगी।

चोंगथम विक्रम सिंह की हत्या मामले में 8 आरोपी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी मौत बहुत ज्यादा खून बहने से हुई थी। एम्स दिल्ली की ऑटोप्सी रिपोर्ट में इसकी वजह सीने और पेट पर गंभीर चोट बताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंह के सीने और पेट की करीब 15 पसलियां टूट गई थीं। उनके शरीर पर सिर, चेहरे, हाथ, छाती, पेट, पीठ और पैरों पर भी चोटें मिलीं। 54 साल के विक्रम सिंह की नई दिल्ली में हमले के बाद इलाज के दौरान मौत हुई। पुलिस ने मामले में नाबालिग समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, 7 सितंबर को सिंह ने दक्षिण दिल्ली के आश्रम इलाके में घर के बाहर शोर कर रहे लोगों को रोकने गए थे, इसके बाद आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। एफआईआर के मुताबिक, 7 सितंबर को आरोपी इमारत में घुसे। उन्होंने सिंह का तीन मंजिल तक पीछा किया और लात-घूंसों से हमला किया। सिंह की पत्नी ने बाद में आरोपियों की पहचान उन लोगों के रूप में की, जिन्होंने पहले भी उनके पति को धमकी दी थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी हासिल की है। इसमें आरोपियों को इमारत से बाहर जाते हुए दिखाया गया है। हमले के बाद सिंह को होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पसलियां टूटने से मौत हो सकती है, लेकिन आमतौर पर मौत सिर्फ पसली टूटने से नहीं होती। खतरा तब होता है जब टूटी हुई पसलियां फेफड़े, हृदय या अंदर के किसी अंग को नुकसान पहुंचाएं या बहुत ज्यादा अंदरूनी रक्तस्राव हो। विक्रम सिंह की पोस्टमार्टम में जो बात सामने आई है, उसमें यही सबसे बड़ा फर्क है। यानी, उनकी कई पसलियां टूटी थीं। टूटने के आसपास खून जमा होने के निशान मिले। छाती और पेट पर गंभीर चोटें थीं। इन चोटों के कारण बहुत ज्यादा अंदरूनी रक्तस्राव हुआ। यही भारी रक्तस्राव उनकी मौत का कारण बना। इसे ऐसे समझिए, पसली को आप शरीर की सुरक्षा करने वाली हड्डी है। यह फेफड़े और दूसरे अंगों को बचाती है। अगर जोरदार चोट से कई पसलियां टूट जाएं, तो उनके टूटे हुए हिस्से अंदर के अंगों और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मंत्री खुशवंत के भाई कांग्रेस में हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति से बड़ी खबर सामने आई है। सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े पुत्र एवं मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। पूर्व सीएम के रायपुर निवास में आयोजित कार्यक्रम में भूपेश बघेल ने कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी का गमछा पहनाकर ढाल दास का स्वागत किया। उनके कांग्रेस प्रवेश से प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने को राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। उनके परिवार की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखते हुए कांग्रेस में उनका प्रवेश पार्टी के लिए भी अहम माना जा रहा है।

गौरतलब है कि गुरु बालदास का सतनामी समाज में प्रभाव माना जाता है, जबकि उनके पुत्र खुशवंत साहब वर्तमान भाजपा सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में परिवार के वरिष्ठ सदस्य ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने से प्रदेश की राजनीति में इसके संभावित असर को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है।

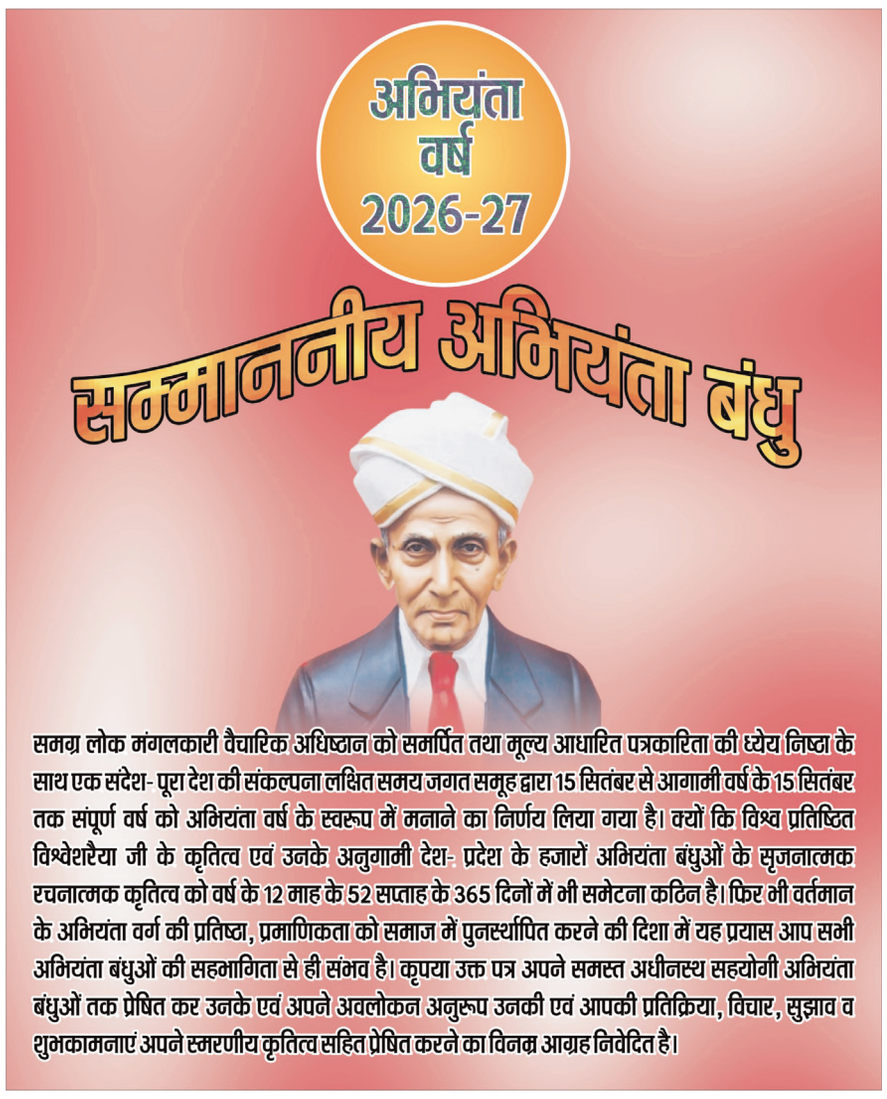

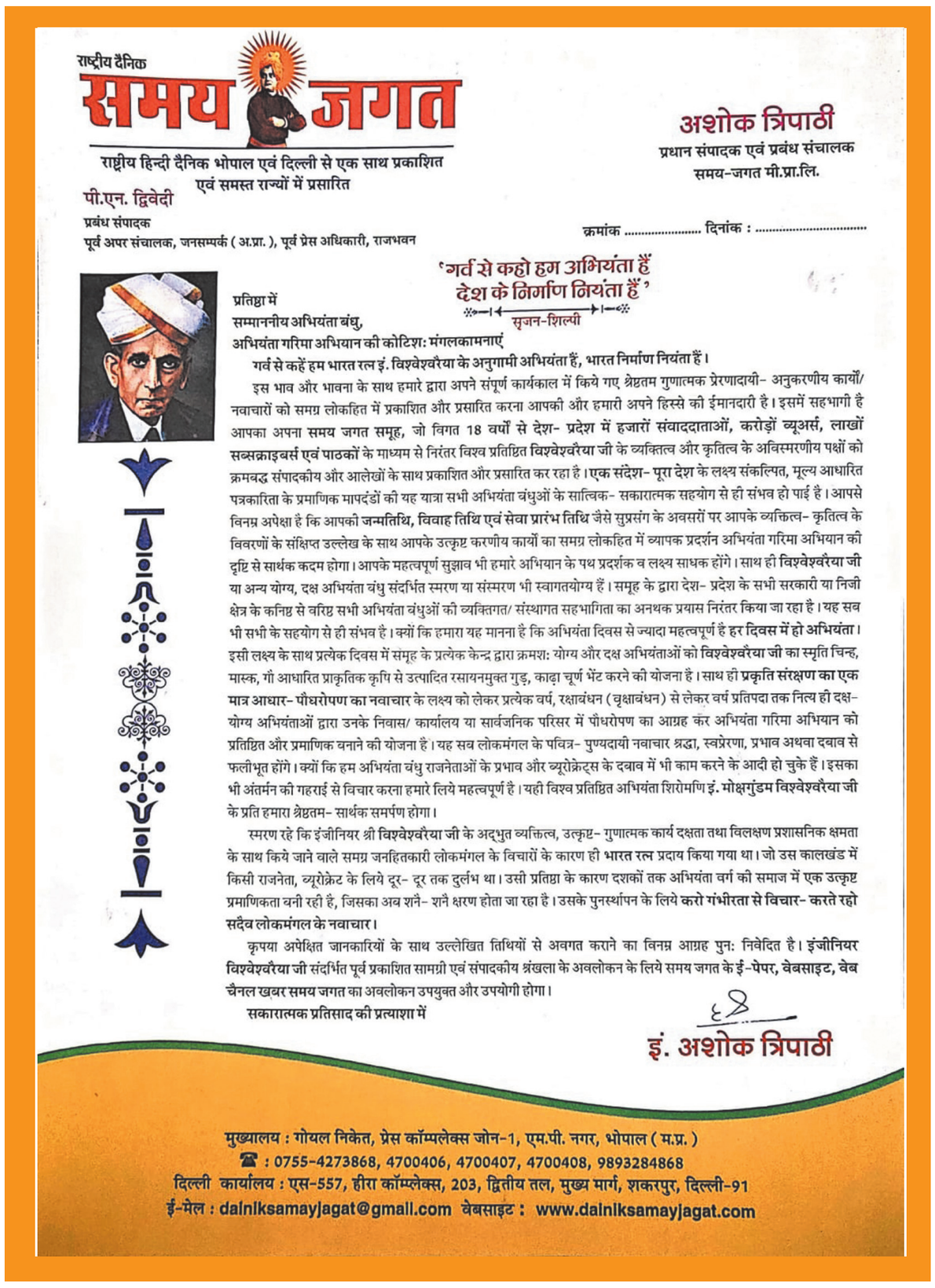
राष्ट्रीय दैनिक
समय जगत
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक भोपाल एवं दिल्ली से एक साथ प्रकाशित एवं समस्त राज्यों में प्रसारित

अशोक त्रिपाठी
प्रधान संपादक एवं प्रबंध संचालक
समय-जगत मी.प्रा.लि.

पी.एन. द्विवेदी
प्रबंध संपादक
पूर्व अपर संचालक, जनसम्पर्क (अ.प्रा.), पूर्व प्रेस अधिकारी, राजभवन

क्रमांक ..... दिनांक : .....

'गर्व से कहो हम अभियंता हैं
देश के निर्माण नियंता हैं'
सृजन-शिल्पी

प्रतिष्ठा में
सम्माननीय अभियंता बंधु,
अभियंता गरिमा अभियान की कोटिशः मंगलकामनाएं

गर्व से कहें हम भारत रत्न इं. विश्वेश्वरैया के अनुगामी अभियंता हैं, भारत निर्माण नियंता हैं।

इस भाव और भावना के साथ हमारे द्वारा अपने संपूर्ण कार्यकाल में किये गए श्रेष्टतम गुणात्मक प्रेरणादायी- अनुकरणीय कार्यों/ नवाचारों को समग्र लोकहित में प्रकाशित और प्रसारित करना आपकी और हमारी अपने हिस्से की ईमानदारी है। इसमें सहभागी है आपका अपना **समय जगत समूह**, जो विगत **18 वर्षों से देश- प्रदेश में हजारों संवाददाताओं, करोड़ों व्यूअर्स, लाखों सब्सक्राइबर्स एवं पाठकों** के माध्यम से निरंतर विश्व प्रतिष्ठित **विश्वेश्वरैया जी** के व्यक्तित्व और कृतित्व के अविस्मरणीय पक्षों को क्रमबद्ध संपादकीय और आलेखों के साथ प्रकाशित और प्रसारित कर रहा है। **एक संदेश- पूरा देश** के लक्ष्य संकल्पित, मूल्य आधारित पत्रकारिता के प्रमाणिक मापदंडों की यह यात्रा सभी अभियंता बंधुओं के सात्विक- सकारात्मक सहयोग से ही संभव हो पाई है। आपसे विनम्र अपेक्षा है कि आपकी **जन्मतिथि, विवाह तिथि एवं सेवा प्रारंभ तिथि** जैसे सुप्रसंग के अवसरों पर आपके व्यक्तित्व- कृतित्व के विवरणों के संक्षिप्त उल्लेख के साथ आपके उत्कृष्ट करणीय कार्यों का समग्र लोकहित में व्यापक प्रदर्शन अभियंता गरिमा अभियान की दृष्टि से सार्थक कदम होगा। आपके महत्वपूर्ण सुझाव भी हमारे अभियान के पथ प्रदर्शक व लक्ष्य साधक होंगे। साथ ही **विश्वेश्वरैया जी** या अन्य योग्य, दक्ष अभियंता बंधु संदर्भित स्मरण या संस्मरण भी स्वागतयोग्य हैं। समूह के द्वारा देश- प्रदेश के सभी सरकारी या निजी क्षेत्र के कनिष्ठ से वरिष्ठ सभी अभियंता बंधुओं की व्यक्तिगत/ संस्थागत सहभागिता का अनथक प्रयास निरंतर किया जा रहा है। यह सब भी सभी के सहयोग से ही संभव है। क्यों कि हमारा यह मानना है कि अभियंता दिवस से ज्यादा महत्वपूर्ण है **हर दिवस में हो अभियंता**। इसी लक्ष्य के साथ प्रत्येक दिवस में समूह के प्रत्येक केन्द्र द्वारा क्रमशः योग्य और दक्ष अभियंताओं को **विश्वेश्वरैया जी** का स्मृति चिन्ह, मास्क, गौ आधारित प्राकृतिक कृषि से उत्पादित रसायनमुक्त गुड़, काढ़ा चूर्ण भेंट करने की योजना है। साथ ही **प्रकृति संरक्षण का एक मात्र आधार- पौधरोपण का नवाचार** के लक्ष्य को लेकर प्रत्येक वर्ष, रक्षाबंधन (वृक्षाबंधन) से लेकर वर्ष प्रतिपदा तक नित्य ही दक्ष- योग्य अभियंताओं द्वारा उनके निवास/ कार्यालय या सार्वजनिक परिसर में पौधरोपण का आग्रह कर अभियंता गरिमा अभियान को प्रतिष्ठित और प्रमाणिक बनाने की योजना है। यह सब लोकमंगल के पवित्र- पुण्यदायी नवाचार श्रद्धा, स्वप्रेरणा, प्रभाव अथवा दबाव से फलीभूत होंगे। क्यों कि हम अभियंता बंधु राजनेताओं के प्रभाव और ब्यूरोक्रेट्स के दबाव में भी काम करने के आदी हो चुके हैं। इसका भी अंतर्मन की गहराई से विचार करना हमारे लिये महत्वपूर्ण है। यही विश्व प्रतिष्ठित अभियंता शिरोमणि **इं. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी** के प्रति हमारा श्रेष्ठतम- सार्थक समर्पण होगा।

स्मरण रहे कि इंजीनियर श्री **विश्वेश्वरैया जी** के अद्भुत व्यक्तित्व, उत्कृष्ट- गुणात्मक कार्य दक्षता तथा विलक्षण प्रशासनिक क्षमता के साथ किये जाने वाले समग्र जनहितकारी लोकमंगल के विचारों के कारण ही **भारत रत्न** प्रदाय किया गया था। जो उस कालखंड में किसी राजनेता, ब्यूरोक्रेट के लिये दूर- दूर तक दुर्लभ था। उसी प्रतिष्ठा के कारण दशकों तक अभियंता वर्ग की समाज में एक उत्कृष्ट प्रमाणिकता बनी रही है, जिसका अब शनै- शनै क्षरण होता जा रहा है। उसके पुनर्स्थापन के लिये **करो गंभीरता से विचार- करते रहो सदैव लोकमंगल के नवाचार।**

कृपया अपेक्षित जानकारियों के साथ उल्लेखित तिथियों से अवगत कराने का विनम्र आग्रह पुनः निवेदित है। **इंजीनियर विश्वेश्वरैया जी** संदर्भित पूर्व प्रकाशित सामग्री एवं संपादकीय श्रंखला के अवलोकन के लिये समय जगत के **ई-पेपर, वेबसाइट, वेब चैनल खबर समय जगत** का अवलोकन उपयुक्त और उपयोगी होगा।

सकारात्मक प्रतिसाद की प्रत्याशा में

इं. अशोक त्रिपाठी

मुख्यालय : गोयल निकेत, प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.)
☎ : 0755-4273868, 4700406, 4700407, 4700408, 9893284868
दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्प्लेक्स, 203, द्वितीय तल, मुख्य मार्ग, शकरपुर, दिल्ली-91
ई-मेल : dainiksamayjagat@gmail.com वेबसाइट : www.dainiksamayjagat.com

44 भाजपा कार्यकर्ता संभालेंगे जिला में सेवा संकल्प अभियान की बागडोर

राष्ट्रसेवा का महासंकल्प, 25 वर्षों की गौरवगाथा लेकर घर-घर जाएंगे कार्यकर्ता , हर कार्यकर्ता अपने बूथ एवं प्रवासी बूथ पर जन-जन तक पहुंचायेगे मोदी जी के 25 वर्षों की सेवा यात्रा

समय जगत, झांसी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी झांसी महानगर द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत भाजपा कार्यालय में बैठक का विधिवत शुभारंभ उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह, जिला महामंत्री अरविंद राजपूत ,विनोद नायक ,जिला उपाध्यक्ष अभिषेक जैन,जिला मंत्री मीनू राजावत, जिला महामंत्री युवा मोर्चा मुकुल द्विवेदी उपस्थित रहे। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प एवं सेवा को समर्पित सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान 2026 आयोजित किया जा रहा है।

कार्यशाला की प्रस्तावना जिला महामंत्री अरविंद राजपूत ने रखी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'सेवा संकल्प अभियान' के उद्देश्य, रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण, सुशासन और अंत्योदय के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा है।

जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह के द्वारा सेवा संकल्प अभियान जिला अभियान समिति में कार्यक्रमवार कार्य विभाजन निम्न प्रकार से किया आशीर्वाद का दीया (17 सितम्बर)रूजनप्रतिनिधि श्री जमुना प्रसाद कुशवाहा (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त), संयोजक श्री हेमंत खंगार (नि मण्डल अध्यक्ष), सहसंयोजक श्री रवि राजपूत (जिला महामंत्री युवा मोर्चा) मेरे सपनों का भारत - चित्र सेवा (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर)

जनप्रतिनिधि श्री पवन गौतम (जिला पंचायत अध्यक्ष), संयोजक श्री अनिरुद्ध दुबे (जिला मंत्री), स हसंयोजक श्री अंकित साहू (जिला सहकोषाध्यक्ष), श्री मोहित पोरवाल (जिला सहमीडिया प्रभारी), श्री शुभम बनर्जी (पूर्व जिला मंत्री युवा मोर्चा), श्री राहुल कुर्मी (जिला महामंत्री अनुसूचित मोर्चा)।नमो सेवा - अनकही कहानियाँ (18 सितम्बर से 15 अक्टूबर)जनप्रतिनिधि श्रीमती रमा निरंजन (एम.एल.सी.), संयोजक श्री बंटी सोनी (सभासद), सहसंयोजक श्रीमती संगीता जोशी (सक्रिय कार्यकर्ता)आँगन मिलना सेवा (25 सितम्बर से 2 अक्टूबर)

जनप्रतिनिधि श्री अनुराग शर्मा (सांसद), संयोजक श्रीमती सीमा शर्मा (जिला कार्यकारिणी सदस्य), सहसंयोजक श्री पंकज दुबे (डायरेक्टर अरबन बैंक)।सेवा की कहानी (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर) जनप्रतिनिधि श्री बाबू लाल तिवारी (एम.एल.सी.), संयोजक श्री प्रद्युम्न दुबे (जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ), सहसंयोजक श्री अमित चिरवारिया (पूर्व जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा)।

25 साल 25 कहानी (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर)रूजनप्रतिनिधि श्री रवि शर्मा (विधायक), संयोजक श्री देवेन्द्र दुबे (जिला मंत्री), सहसंयोजक श्री जीतू सोनी (जिला संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ)। सेवा ज्योति कलश यात्रा- विकसित भारत का संकल्प (7 अक्टूबर)रूजनप्रतिनिधि श्री राजीव सिंह पारीछा (विधायक), संयोजक श्री मनमोहन गेंडा (क्षेत्रीय सहसंयोजक व्यापार प्रकोष्ठ), सहसंयोजक श्री रोहित गोठनकर (नि. जिला मंत्री)।

बडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा (तिथि केन्द्र द्वारा निर्धारित)

जनप्रतिनिधि श्री राजकान्तेश वर्मा (ब्लॉक प्रमुख चिरगाँव), संयोजक श्री रानू देवलिया (जिला उपाध्यक्ष), सहसंयोजक श्री सिद्धेश दुबे (पूर्व जिला मीडिया प्रभारी युवा मोर्चा), सुश्री रात्रि साहू (सक्रिय कार्यकर्ता)। सेवा मेरा योगदान (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर)रूजनप्रतिनिधि श्री बिहारी लाल आर्य (महापौर), संयोजक श्री आशीष तिवारी (उपसभापति नगर निगम / सभासद), सहसंयोजक श्रीमती गीतामाता गुप्ता (सक्रिय कार्यकर्ता)।

सेवा सेतु अभियान (8 अक्टूबर से 15 अक्टूबर)रूजनप्रतिनिधि श्री रामतीर्थ सिंघल (एम.एल.सी.), संयोजक श्री आदेश गुप्ता (मनोनीत सभासद), सहसंयोजक श्री धर्म करोसिया (मनोनीत सभासद)।

सेवा रंग राष्ट्र के संग (7 अक्टूबर) जनप्रतिनिधि श्री सुशीला कुशवाहा (चेयरमेन नगर पालिका बरुआसागर), संयोजक श्री अंकित राजा यादव (जिला मंत्री), सहसंयोजक श्री विकास शर्मा (जिला सहसंयोजक विधि प्रकोष्ठ)।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चौलेंज (उत्तर प्रदेश हेतु प्रस्तावित नहीं है)जनप्रतिनिधि श्री वीरेन्द्र प्रताप यादव (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), संयोजक श्री चेतन ओझा (जिला संयोजक सोशल मीडिया), सहसंयोजक श्री हर्ष जैन (सक्रिय कार्यकर्ता / पूर्व प्रदेश सहमंत्री ए.बी.वी.पी.)। सुशासन सेवा संवाद (कार्ययोजना केन्द्र द्वारा प्रस्तावित होगी) जनप्रतिनिधि श्री जयदेव पुरोहित (चेयरमेन जिला सहकारी बैंक), संयोजक श्री विनोद नायक (जिला महामंत्री), सहसंयोजक श्री अशोक कुशवाहा (उपसभासद डी.सी.डी.एफ)।का संक्षिप्त विवरण बताया एवं अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग से जुड़ने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निरंतर सेवा, संगठन और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है। नरेंद्र मोदी जी ने अपने कृतित्व से ष्सेवाष् शब्द के मूल भाव को जन-जन तक पहुँचाया है और उसे शासन की संस्कृति बनाया है।प्रधानमंत्री जी के जीवन का उद्देश्य अंत्योदय, राष्ट्र प्रथम का भाव और सुशासन रहा है। यह त्रिवेणी श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा दिए गए संस्कारों से निर्मित हुई है, जिन्हें प्रधानमंत्री जी ने अपने आचरण से जीवंत किया है।अधिकतम पहुँच, अधिकतम सहभागिता, अधिकतम सेवा और उसका प्रभावी क्रियान्वयन, अधिकतम धरातलीय गतिविधि, सोशल मीडिया का सक्रिय एवं सुनियोजित उपयोग, तथा प्रत्येक कार्यक्रम की पूर्णता का स्वामित्व, अर्थात, प्रत्येक कार्यकर्ता केवल सहभागी नहीं, अपितु अपने दायित्व का उत्तरदायी संवाहक बने, यही इस अभियान का लक्ष्य है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सेवा संकल्प अभियान को केवल कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे जनसेवा और संगठन के विस्तार का व्यापक माध्यम बनाया जाए। कार्यशाला में पदाधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव साझा किए तथा संगठन की विचारधारा एवं प्रधानमंत्री जी के सेवा भाव को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यशाला में कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। सभी ने एक स्वर में 'सेवा ही संकल्प, राष्ट्र ही सर्वोपरि' की भावना के साथ सेवा संकल्प अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने का संकल्प लिया।कार्यशाला में बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मेहंदीपुर बालाजी धाम तीर्थ यात्रा बस रवाना

समय जगत, झांसी। मां कामाख्या श्री बालाजी मंडल सेवा संस्थान झांसी रजिस्टर के तत्वाधान में श्री मां कैला देवी श्री खाटू श्याम जी श्री जीण माता धाम श्री सालासर बालाजी धाम एवं घाटा मेहंदीपुर बालाजी धाम के लिए आज तीर्थ यात्रा बस को मंडल प्रबंधक बी0एल0भास्कर ने पूजन कर रवाना किया मंडल के महंत श्री संतोष महाराज के नेतृत्व एवं अन्य पदाधिकारी अध्यक्ष मन्नालाल सेठ संगठन मंत्री किशोर वर्मा आदि के साथ तीर्थ यात्रा बस को पूजन कर रवाना किया।

तीर्थ यात्रा बस 6 दिन बाद झांसी वापसआएगी। मां कामाख्या श्री बालाजी मंडल के प्रबंधन बीव एलवभास्कर एडवोकेट ने बताया की तीर्थ यात्रा सबसे पहले श्री मां क ला देवी धाम करौली से दर्शन करने के बाद श्री खाटू श्याम जी पहुंचेगी, रात्रि विश्राम दर्शन के बाद दूसरे दिन यात्रा जीण माता धाम पहुंचेगी वहां से श्री सालासर बालाजी धाम चुरु राजस्थान जाएगी वहां विश्राम, दर्शन उपरांत सभी तीर्थयात्री मेहंदी पुर बालाजी धाम के लिए प्रस्थान करेंगे और तीन दिन तक मेहंदीपुर बालाजी घाटे में रख कर श्री बालाजी महाराज के चरणों में देश की सुख शांति एवं परिवार की सुख शांति के लिए अर्जी लगाएंगे हवन पूजन भंडारा करेंगे इसके बाद झांसी के लिए प्रस्थान करेगी यात्रा में प्रमुख रूप से बृजलाल बीएसएफदुर्गा प्रसाद वर्मा मोंठ त महेंद्र पूजा उरई अर्चना एवं उनके परिवार, दक्ष भास्कर जालौन विवेक सर उनका परिवार एवं श्रीमती सुधा देवी श्रीमती चंपा भास्कर आदि के अलावा लगभग 35 तीर्थ यात्री यात्रा पर गए हुए हैं यह भी बता दें कि तीर्थ यात्रा बस साल में रक्षाबंधन के अवसर पर एवं मार्च में होली के समय जाती है।

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण में कैडेट्स ने ड्रोन की बारीकियों को समझा

समय जगत, झांसी। 56 उत्तर प्रदेश बटालियन एनसीसी झांसी द्वारा चलाए जा रहे एनसीसी के वार्षिक शिविर 196 के तीसरे दिन कैडेट्स को ड्रोन तकनीक की बारीकियों से रूबरू कराते हुए ड्रोन इंस्ट्रक्टर श्री राकेश राजपूत ने बताया कि आने वाला समय ड्रोन तकनीक का होगा । उनके साथ जयपुरिया स्कूल के कक्षा 6 एवं 7 के बच्चों ने एनसीसी कैडेट्स के समक्ष ड्रोन की असेंबलिंग की और ड्रोन को उड़ा कर दिखाया जिससे कैडेट्स ड्रोन तकनीक को सीखने हेतु प्रेरित हुये । इस अवसर पर डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल अंशुमन सक्सेना ने कैडेट्स से ड्रोन तकनीक को सीखने पर जोर दिया।

रामेश्वर धाम से झांसी धर्मनगरी श्रीमद भागवत कथा श्रवण कर लौटा भक्त मंडल

भक्त मंडल का झांसी स्टेशन पर हुआ भव्य सम्मान , तीर्थ धाम में कथा श्रवण करने से होते है पितृ प्रसन्न : आचार्य अंश जी महाराज

समय जगत, झांसी। जगदगुरु आश्रम बमनुआ से जो भक्त मंडल रामेश्वर धाम तीर्थ यात्रा के लिए गया था आज भक्त मंडल झांसी वापिस आया भक्त मंडल पूज्य वेदज्ञ आचार्य श्री अंश जी महाराज पीठाधीश्वर बमनुआ धाम के सानिध्य में वापिस आया रामेश्वर धाम में महाराज श्री ने भक्त मंडल सहित सभी भक्तो को कथा श्रवण कराई आज झांसी आगमन पर पूज्य महाराज श्री ने कहा कि यह धर्म यात्रा थी तीर्थ में जो भक्त कथा श्रवण करते है उनका शरीर शुद्ध व आत्मा को मोक्ष और उनके पूर्वज भी प्रसन्न होते है इस धर्म यात्रा में सभी भक्तो ने सर्व कल्याण, देश की उन्नति, सभी के मंगलमय भविष्य की कामना की झांसी आगमन पर भागवत सत्संग मंडल के समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों ने भक्त मंडल को माला पहनाकर एवं पट्टिका उड़ाकर सम्मानित किया इस अवसर मुख्य रूप से पं.मैथली शरण मुदगिल, रूपम मुदगिल, दिलीप मुदगिल, शकुन्तला मुदगिल, शिवकुमार तिवारी, सुनीता देवी, महेश मुदगिल, राजेश दुबे, जयंती दुबे, मीरा पाठक, शोभा शुक्ला, शिवकुमार तिवारी, पुष्पा तिवारी, उमा श्रोती, महेश तिवारी समेत 175 भक्तों का भक्त मंडल को भागवत सत्संग मंडल के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर पट्टिका उड़ाकर सम्मानित किया तथा इस अवसर पर भागवत सत्संग मंडल की ओर से पं.सियारामशरण चतुर्वेदी, प्रणय मुदगिल, प्रशांत मुदगिल, पुष्पेंद्र दुबे, कपिल मुदगिल, सोनू राय, आशीष तिवारी डिप्टी मेयर/सभासद, सत्यम रामजी यादव, विश्वनाथ मिश्रा, चंद्रमोहन तिवारी, रामसेवक सहित आदि लोगों ने तीर्थ यात्रियों को सम्मानित किया।

पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण की मांग तेज , बुंदेलखंड राष्ट्र समिति ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

खनन से धरोहर बचाने और बुंदेलखंड की अस्मिता की रक्षा के लिए अलग राज्य जरूरी: यज्ञेश कुमार गुप्ता

समय जगत, झांसी। पृथक बुंदेलखंड राज्य के निर्माण की मांग को लेकर बुंदेलखंड राष्ट्र समिति ने आंदोलन को तेज करते हुए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से अनुरोध पत्र सौंपा। 11 सितंबर 2026 को जारी पत्रांक 103 के माध्यम से समिति ने बुंदेलखंड के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन, पर्यावरणीय संकट तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को लेकर गंभीर चिंता जताई।

समिति ने कहा कि बुंदेलखंड की अस्मिता, स्वाभिमान, भाषा, संस्कृति, जल-जंगल-जमीन और प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखने के लिए पृथक बुंदेलखंड राज्य का निर्माण आवश्यक है। समिति ने प्रधानमंत्री से इस दिशा में निर्णायक पहल करते हुए लंबे समय से चली आ रही राज्य निर्माण की मांग पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

तीनों स्तरों पर भाजपा सरकार, समिति ने बताया अनुकूल समय ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और केंद्रकृतीनों स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। ऐसे में समिति के अनुसार पृथक बुंदेलखंड राज्य के गठन की दिशा में पहल के लिए यह अनुकूल अवसर है। समिति ने केंद्र सरकार से बुंदेलखंड की जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

ज्ञापन पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष यज्ञेश कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय महामंत्री ज्ञानेश्वर कुशवाहा सहित गोविंद दास, संजय आनंद, शिवम झा (केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य), लक्ष्मण प्रसाद, रमेश चंद्र, दीपक कुमार और पीयूष पयोधि पांडेय समेत अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों के हस्ताक्षर रहे।

बुंदेलखंड राज्य निर्माण का संकल्प दोहराया

बुंदेलखंड की पहचान और प्राकृतिक संपदा बचानी है, तो बुंदेलखंड को अपना राज्य दिलाना होगा।÷

झाँसी रेल मंडल परिक्षेत्र के सांसदों के साथ बैठक आयोजित

समय जगत, झांसी ।भारतीय रेल देश की जीवनरेखा है और देश के विकास में अपना अहम योगदान दे रही है। इसी कड़ी में उत्तर मध्य रेलवे भारतीय रेल के एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग के रूप में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रही है। आज दिनांक 11 सितम्बर 2026 को झाँसी के प्रतिष्ठित ओरछा पैलेस एवं कन्वेंशन सेंटर होटल ओरछा के सभागार में उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मण्डल के माननीय सांसदों एवं उनके सम्मानित प्रतिनिधियों के साथ महाप्रबंधक की एक उच्च स्तरीय एवं महत्वपूर्ण बैठक का माननीय सांसद झांसी ललितपुर श्री अनुराग शर्मा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मण्डल की हालिया उपलब्धियों को साझा करना, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास की समीक्षा करना तथा माननीय जनप्रतिनिधियों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त कर रेल विकास योजनाओं को नई दिशा देना रहा।

इस अवसर पर अपने उदबोधन में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने कहा कि, हमने अपनी रेलवे की कार्यप्रणाली में लाइन क्षमता की वृद्धि, यात्री सुविधाओं में सुधार एवं उन्नयन, गाड़ियों का संरक्षित संचालन, कर्मचारी कल्याण, पर्यावरण की संरक्षण के लिए हरित पहल की दिशा में विशेष कदम उठाए हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और इसे मजबूत बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों से एक बहुत ही सकारात्मक बदलाव आया है, रेल की विभिन्न परियोजनाएं जो वर्षों तक पर्याप्त फ़ंड की अनुपलब्धता के कारण रुक जाते थे, उन कार्यों को करने हेतु सरकार द्वारा अब पर्याप्त फंड भी उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही उच्चतम स्तर से प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग होने से प्रोजेक्ट पूर्ण होने में तेज़ी आई है। साथ ही भारतीय रेल अपनी कार्यप्रणाली में इनोवेशन और आधुनिक तकनीक का कारगर प्रयोग कर रहे हैं। हम अपने सम्मानित यात्रियों, रेल उपयोगकर्ताओं और आमजन की अपेक्षाओं को पूरा कर सकें, इस हेतु एआई आधारित रेल मदद पोर्टल (139) के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

मेला जलविहार समिति की हुई बैठक

समय जगत, झांसी। मेला जलविहार समिति झांसी की बैठक सिद्धेश्वर मंदिर में हुई। इसमें गणेश उत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थापित होने वाली गणेश प्रतिमाओं की समितियों से अपील की गई कि वह प्लास्टर ऑफपेरिस यानी पीओपी की प्रतिमा को स्थापित न करें, बल्कि उनके स्थान पर मिट्टी की प्रतिमाएं स्थापित करें। इसके अलावा यह भी चेतावनी दी गई कि पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर यदि लक्ष्मी तालाब स्थित विसर्जन कुंड की पानी की सफाई नहीं हुई और निर्धारित समय तक एक अतिरिक्त रैंप नहीं बना, तो सारी प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल की जगह नगर निगम ले जाकर रख दिया जाएगा। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि गंधीगर का टपरा पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जलझूलनी एकादशी पर मंदिरों के विमानों और गणेश प्रतिमा विसर्जन शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। हर बार की तरह इस साल भी 20 मंदिरों के विमान लक्ष्मी तालाब पर जलविहार के लिए गाजे बाजे के साथ निकलेंगे। विमानों में भगवान विराजमान रहते हैं। बैठक में समिति अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल व महामंत्री पीयूष रावत ने बताया कि 9 तारीख को प्रशासन की और नगर निगम की टीम ने मेला जलविहार समिति के पदाधिकारियों के साथ में जाकर निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान प्रशासन और मेला जलविहार समिति के सभी पदाधिकारियों ने नगर निगम की टीम से निर्धारित समय तक रैंप बनाए जाने का अनुरोध किया था, लेकिन बार-बार आग्रह करने के बाद भी रैम्प का काम अब तक शुरू नहीं हुआ। यह स्थिति तब है, जब पीछे की बाउंड्री पूरी टूटी है और शेष में बारिश का पानी समाया हुआ है।

इस दौरान अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, महामंत्री पियूष रावत, संरक्षक महंत विष्णु दत्त स्वामी, आचार्य हरिओम पाठक, आचार्य वसंत विष्णु गोलवर्कर, आचार्य लल्लन महाराज, आचार्य विनोद चतुर्वेदी, आचार्य मनोज चतुर्वेदी, महेश ऑफ मटका, जगदीश गुप्ता वरिष्ठ, उपाध्यक्ष विनोद अवस्थी, गोकुल दुबे, अतुल किलपन, रवीश त्रिपाठी, राजीव तिवारी, पवन गुप्ता, राजीव तिवारी, प्रभात शर्मा, पुरकेश अमरया, अभिषेक साहू, अतुल मिश्रा, आदि मौजूद रहे। पीयूष रावत और राजीव पाठक ने संयुक्त रूप से आभार व्यक्त किया।

तारीख पेशी- 21/09/2026

अदालत श्रीमान सिविल जज जू.डि. गरौठा झांसी

वाद सं.- 26 सन- 2026
अशोक कुमार आदि
बनाम
सर्वसाधारण,
मुकाम गरौठा जिला झांसी

दरख्वास्त मुसक्का अशोक कुमार आदि वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट बसूल जर कर्जा व किफालत हाय यापतानी मुसम्मा सर्वसाधारण मुतबफ्फा अशोक कुमार आदि अपने बसूलिब एक्ट 7 सन 1889 ई. वकैद हरगाह मुसम्मा अशोक कुमार ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और **21 तारीख माह 09 सन 2026 ई.** के वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को नस्वत दरख्वास्त के उज्र हो या असालतन या बकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज जू.डि. मुकाम गरौठा व तारीख मुकर्रह हाजिर होकर उज्र अपना पेश करे। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकू के फिर उज्र किसी का सुना न जाएगा और हुक्म मुनासिफ निश्वत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा **अलमरकूम 21/08/ 2026 ई.**

मुंसरिम
सिविल जज जू.डि. गरौठा ,
जिला- झांसी

निलंबित महामंत्री रूपम पाण्डेय 5 वर्ष के लिए निष्कासित, नए महामंत्री बने कुंदन कुमार सिंह

समय जगत, झांसी। आज उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की जोनल कार्य समिति बैठक प्रयागराज में केंद्रीय अध्यक्ष श्री हेमंत कुमार विश्वकर्मा जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें 20 कार्य समिति सदस्यों में से 16 कार्य समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष एवं रेलवे उद्योग प्रभारी श्रीमान अशोक कुमार शुक्ला जी, प्रदेश महामंत्री अनिल कुमार उपाध्याय जी, प्रयागराज क्षेत्र के विभाग प्रमुख राधेश्याम पांडे जी, जिला मंत्री रविकांत जी, भारतीय रेलवे मजदूर संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री एवं उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ के प्रभारी श्री राधावल्लभ त्रिपाठी जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आईपीएस चौहान जी आदि उच्च पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन कुंदन कुमार सिंह द्वारा किया गया।

बैठक में पूर्व निर्धारित एजेंडा के अनुसार विस्तार पूर्वक चर्चा हुई सभी कार्य समिति सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया जिसमें प्रमुख निर्णय निलंबित महामंत्री श्री रूपम पांडे जी द्वारा की जा रही संगठन विरोधी गतिविधियों को लेकर विस्तार पूर्वक बैठक में चर्चा की गई। प्रदेश महामंत्री श्री अनिल उपाध्याय जी ने सभी सदस्यों को बताया की दिनांक 17 अगस्त 2026 को महामंत्री श्री रूपम पांडे को 15 दिन में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु एक नोटिस जारी किया गया था। उसके उपरांत 31 अगस्त 2026 को पुनः अनुस्मारक नोटिस 7 दिन में अपना स्पष्टीकरण देने हेतु प्रस्तुत किया गया था परंतु उन्होंने अपना कोई भी स्पष्टीकरण नहीं दिया जिस कारण से यह सिद्ध हुआ है कि उनके द्वारा संगठन विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही है। 16 अगस्त 2026 को गठित अनुशासन समिति की जांच रिपोर्ट के अनुसार भी महामंत्री श्री रूपम पांडे जी द्वारा संगठन विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं ऐसा सत्य सिद्ध हुआ है। सभी से चर्चा उपरांत बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि महामंत्री श्री रूपम पांडे को महामंत्री पद से दायित्व मुक्त करते हुए 5 वर्ष के लिए संगठन की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया है। उनके स्थान पर संयुक्त मंत्री श्री कुंदन कुमार सिंह को महामंत्री के रिक्त पद पर कार्यसमिति द्वारा नियुक्त किया गया है और संयुक्त मंत्री पद के रूप में कार्यसमिति सदस्य श्रीमती बीना सिंह को नामित किया गया है।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष निर्भय सिंह, उपाध्यक्ष रूकमानंद पांडेय, उपाध्यक्ष मनोज कुमार झा, संयुक्त मंत्री बंशी बदन झा, कोषाध्यक्ष अजय सिंह कार्यकर्त्ताओ का विशेष सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री ने लाडवा के शिवाला रामकुंडी में आयोजित श्रीकृष्ण जन्म अष्टमी महोत्सव में की शिरकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के नए शिखरों की ओर बढ़ रहा है भारत

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा पर चलते हुए युवा आधुनिक शिक्षा प्राप्त करें। विज्ञान और तकनीक में आगे बढ़ें। दुनिया में हर क्षेत्र में हरियाणा और भारत का नाम रोशन करें। साथ ही अपने संस्कारों, संस्कृति और अपनी जड़ों से भी जुड़े रहें। युवाओं के जीवन में आधुनिकता, मर्यादा, प्रतिभा, विनम्रता, सफलता और सेवा का भाव भी हो। यही हमारी संस्कृति की ताकत है और यही विकसित भारत-विकसित हरियाणा की मजबूत नींव बनेगी। मुख्यमंत्री लाडवा, कुरुक्षेत्र के शिवाला रामकुंडी में आयोजित श्रीकृष्ण जन्म अष्टमी महोत्सव में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्म अष्टमी की देशवासियों और प्रदेशवासियो को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने वामन द्वादश मेला समिति को 21 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जन्म अष्टमी हमारे लिए धर्म, कर्तव्य, सत्य, साहस, प्रेम और लोक-कल्याण के उस महान संदेश का उत्सव है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण जी ने अपने जीवन के माध्यम से मानव मात्र को दिया। कान्हा का जन्म हमें यह विश्वास दिलाता है कि परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों, अन्याय कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, यदि मनुष्य सत्य और धर्म के मार्ग पर अडिग है तो आखिर में विजय उसी की होती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी का जन्म कारागार में हुआ। परिस्थितियां प्रतिकूल थीं। चारों ओर अन्याय का वातावरण था, लेकिन उसी अंधकार के बीच आशा की एक किरण ने जन्म लिया और वह किरण आगे चलकर अधर्म के अंत का कारण बनी। यही जन्म अष्टमी का सबसे बड़ा संदेश है कि अंधकार चाहे कितना ही गहरा क्यों न हो, प्रकाश को जन्म लेने से कोई नहीं रोक सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी ने कभी जीवन से पलायन का संदेश नहीं दिया। उन्होंने चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा दी। अन्याय के सामने मौन रहना धर्म नहीं है। जो सही है, उसके पक्ष में खड़ा होना ही सच्चा धर्म है। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण जी हमारे जीवन के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि उनके जीवन से हमें यही शिक्षा मिलती है कि महानता पद में नहीं, व्यवहार में होती है। भगवान होकर भी उन्होंने सुदामा की मित्रता का सम्मान किया। उन्होंने गोवर्धन उठाकर समाज की रक्षा की। उन्होंने द्रौपदी की पुकार सुनी। उन्होंने अर्जुन के रथ का सारथी बनना स्वीकार किया। उनका पूरा

जीवन हमें सिखाता है कि जो व्यक्ति दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनता है, वही वास्तव में बड़ा होता है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम उस कुरुक्षेत्र की पवित्र धरा का हिस्सा हैं, जहां भगवान श्रीकृष्ण जी ने पूरी मानवता को श्रीमद्भगवद् गीता के माध्यम से कर्म योग का अमर संदेश दिया। यह वही भूमि है, जहां मोह में पड़े अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण जी ने कर्म का मार्ग दिखाया। इस भूमि पर रहना हमारे लिए गर्व की बात है। जीवन में कठिनाई देखकर कर्तव्य से पीछे नहीं हटना है। फल की चिंता छोड़कर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपना कर्म करते जाना है। मेरे लिए भी सार्वजनिक जीवन में गीता का यही संदेश प्रेरणा का स्रोत रहा है। जनसेवा मेरा कर्तव्य है और इस कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाना ही मेरा धर्म है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी का जीवन आपके लिए भी विशेष प्रेरणा है। युवा अवस्था केवल आयु का नाम नहीं, ऊर्जा, संकल्प और साहस का नाम है। श्रीकृष्ण जी ने युवा अवस्था में ही अत्याचार का सामना किया। समाज को संगठित किया और धर्म की स्थापना के लिए कठिन से कठिन निर्णय लिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हमारे युवाओं के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। प्रतिस्पर्धा है, भटकाव है, नशे और नकारात्मकता का खतरा है। ऐसे समय में गीता का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। युवा अपने लक्ष्य पर ध्यान रखे। मेहनत कीजिए, अपने माता-पिता का सम्मान कीजिए। शरीर को स्वस्थ रखिए। नशे से दूर रहिए और अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाइए। जिस दिन युवा अपने भीतर की शक्ति पहचान लेंगे, उस दिन आपके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए विकास के नए शिखरों की ओर बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि आधुनिक विकास और प्राचीन संस्कृति एक-दूसरे के पूरक हैं। एक ओर देश डिजिटल तकनीक, विज्ञान, अंतरिक्ष और आधुनिक बुनियादी ढांचे में आगे बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर हमारी आस्था, परंपराएं तथा सांस्कृतिक विरासत नए आत्म-विश्वास के साथ दुनिया के सामने प्रतिष्ठित हो रही हैं। यही नया भारत है, जो अपनी जड़ों से जुड़ा है और भविष्य की ओर आत्म-विश्वास से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब जनता किसी जन-प्रतिनिधि पर विश्वास करती है तो वह विश्वास उसे दिन-रात जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि लाडवा के विकास, सुविधाओं के विस्तार और यहां के प्रत्येक परिवार के जीवन को बेहतर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है और आगे भी ऐसी ही चलता रहेगा। इस अवसर पर विभिन्न स्कूली छात्रों द्वारा बेहतरीन प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

सार-समाचार

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण पर सरकार का विशेष जोर : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेशवासियों को बेहतर, आधुनिक और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं उनके नजदीक उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षा की सुविधाओं को भी लगातार मजबूत कर रही है, ताकि आमजन को गंभीर बीमारियों और आपातकालीन परिस्थितियों में बेहतर उपचार मिल सके। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को सचिवालय में स्टेट फाइनेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में करनाल स्थित कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के फेज-2 विस्तार को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री आरती राव भी मौजूद थी। फेज-द्वद्व के तहत अस्पताल की चिकित्सा सुविधाओं और क्षमता में बड़े स्तर पर विस्तार किया जाएगा। इससे करनाल सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और सुपर-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान में कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हर वर्ष 120 एमबीबीएस विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाता है तथा 64 पीजी सीटें हैं। अस्पताल में करीब 600 बेड की क्षमता है। फेज-2 के तहत अस्पताल परिसर के विस्तार के लिए 404.95 करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव रखा गया। इसके तहत ट्रॉमा सेंटर, बर्न यूनिट एवं बर्न वार्ड, आईसीयू, आईसीसीयू, जनरल मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी, न्यूरो सर्जरी और मनोरोग विभाग से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा हेलिपैड तथा अन्य जरूरी सहयोगी एवं सहायक सुविधाओं का भी प्रावधान किया जाएगा। प्रस्तावित विस्तार के तहत अस्पताल में करीब 505 नए बेड जोड़े जाएंगे। इससे अस्पताल की कुल बेड क्षमता लगभग 600 से बढ़कर 1100 बेड हो जाएगी। इससे गंभीर बीमारियों, दुर्घटनाओं और अन्य जटिल मामलों के मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी और क्षेत्र में विशेषज्ञ एवं सुपर-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी। अधिकारियों ने बताया कि इसी प्रकार मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस दाखिला क्षमता को 120 सीटों से बढ़ाकर 250 सीट करने का प्रस्ताव है। इससे मेडिकल शिक्षा और डॉक्टरों की ट्रेनिंग के लिए संस्थान की क्षमता में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। फेज-द्वद्व के तहत कुछ निर्माण कार्य पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 169.58 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त हॉस्टल और आवासीय सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। वहीं, अस्पताल परिसर के फेज-द्वद्व विस्तार का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। फेज-2 विस्तार के माध्यम से कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के साथ भविष्य में शैक्षणिक, क्लीनिकल और सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार के लिए भी आवश्यक आधारभूत ढांचा तैयार होगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री सीजी रजनी कांथन, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के निदेशक श्री धीरेंद्र खरगटा सहित अधिकारीगण मौजूद थे।

श्री दुर्गा रामलीला कमेटी ने शुरू किया रिहर्सल

गुरुग्राम। जैकबपुरा स्थित श्री दुर्गा रामलीला कमेटी ने वर्षों पुरानी परंपरा को जीवित रखते हुए इस वर्ष भी रामलीला के मंचन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कमेटी के प्रधान कपिल सलूजा का कहना है कि आगामी 24 सितंबर को भूमि पूजन किया जाएगा और 9 अक्तूबर से जैकबपुरा स्थित रामलीला मैदान परिसर में रामलीलाओं का मंचन शुरू होगा। रामलीला में विभिन्न पात्रों का किरदार निभाने के लिए कलाकार रिहर्सल में जुट गए हैं। पात्रों द्वारा संवाद, संगीत और अभिनय का गहन अभ्यास आधी रात तक पूरी लगन से किया जा रहा है ताकि दर्शकों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया जा सके। प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी दर्शकों के मनोरंजन और ज्ञानवर्धन के लिए कई नए और आकर्षक बदलाव किए गए हैं। मनमोहक झांकियां भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। गत वर्ष की तुलना में इस बार रामलीला भव्य और आकर्षक होगी। कमेटी अनुभवी कलाकारों के साथ-साथ नए और उभरते कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान कर रही है, ताकि यह सांस्कृतिक विरासत भविष्य में भी फलती-फूलती रहे।

प्रदेश में बनेंगे 582 'विलेज नॉलेज सेंटर, ग्रामीणों को मिलेगी एक ही स्थान पर सुविधा

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का मकसद ग्रामीणों को भी शहरों जैसी बेहतर और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। सरकार गांवों के विकास पर लगातार काम कर रही है, सरकार के प्रयास है कि हर तरह की सुविधा ग्रामीण इलाके में भी मिले। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को सचिवालय में स्टेट फाइनेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अधिकारियों द्वारा नाबार्ड के सहयोग से प्रदेश में 582 विलेज नॉलेज सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। इस परियोजना पर कुल 514.53 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी, जिसके तहत प्रत्येक विलेज नॉलेज सेंटर पर लगभग 88.33 लाख रुपये खर्च होंगे। इस दौरान विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग को निर्देश दिए कि इस परियोजना हेतु आवश्यक धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र प्रदान की जाए, ताकि योजना का क्रियान्वयन समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित हो सके। विलेज नॉलेज सेंटर को गांव में एक 'ऑल-इन-वन' सहायता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विकास एवं पंचायत विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी उपलब्ध रहें। इससे ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित आवश्यक सुविधाएं एवं सेवाएं सुगमता से मिल सकेंगी। इनमें बैठक कक्ष, सरपंच कार्यालय, सीएससी रूम, डिजिटल लाइब्रेरी, केयर टेकर कक्ष जैसी सुविधा भी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक 'विलेज नॉलेज सेंटर' परिसर में चबूतरे के साथ एक छायादार पेड़ भी लगाया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों में चबूतरा और पेड़ हमेशा से ही आपसी मेल-जोल, बातचीत और सामुदायिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। इसी पारंपरिक ग्रामीण संस्कृति और विरासत को आगे बढ़ाते हुए विलेज नॉलेज सेंटर परिसर में ऐसी व्यवस्था की जाए, ताकि यह केंद्र केवल सरकारी सेवाओं का स्थान न रहकर ग्रामीणों के लिए बैठने, संवाद करने और आपसी मेल-जोल का सुविधाजनक सामुदायिक स्थल भी बन सके। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गांवों के विकास में बुनियादी सुविधाओं का बेहतर होना बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में गलियों की रिपेयरिंग का उचित प्रावधान किया जाए।

मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा

हरियाणा में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा 'सेवा संकल्प अभियान'

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की समर्पित जनसेवा और परिवर्तनकारी सुशासन मुहैया करवाने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' मनाया जाएगा। एक माह तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी को बढ़ावा देना, पात्र नागरिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना तथा सरकारी सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित विभागों को समन्वित, समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अभियान का प्रमुख घटक 'सेवा सेतु केंद्र' होगा।

इसके तहत ब्लॉक एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायता प्रदान की जाएगी। प्रत्येक ब्लॉक एवं विधानसभा क्षेत्र में 'सेवा सेतु केंद्र' स्थापित करने की योजना है। इन केंद्रों पर नागरिकों को योजनाओं की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया में सहायता तथा लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र लाभार्थियों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्य सचिव ने विभागों को खंडवार कार्यक्रम तैयार करने, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने तथा लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच के लिए लाभार्थी डेटाबेस तैयार रखने के निर्देश दिए। युवाओं एवं बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक राष्ट्रव्यापी चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इसमें विद्यार्थी देश के विकास की उपलब्धियों तथा बेहतर भविष्य की आकांक्षाओं से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करेंगे। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री के.एम. पांडुरंग ने बताया कि 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नागरिकों को अपने घर, पड़ोस, गांव, स्कूल, कार्यस्थल तथा सार्वजनिक स्थानों पर सेवा गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत रक्तदान, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, अनाथालय एवं वृद्धाश्रमों का दौरा, वंचित बच्चों को शैक्षणिक सहयोग, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पोषण एवं एनीमिया जागरूकता, सड़क सुरक्षा, जल संरक्षण, कचरे को अलग करना, साइबर सुरक्षा, खेल गतिविधियों तथा दिव्यांगजनों की सहायता सहित 25 सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

खेल प्रोत्साहन योजना के तहत दिए जाएंगे दो हजार रुपये

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में दी गई मंजूरी

दिल्ली, समय जगत। दिल्ली के सरकारी स्टेडियमों व स्पोर्ट्स सेंटरों में प्रशिक्षण ले रहे युवा खिलाड़ियों को अब हर महीने 2,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ग्रासरूट ट्रेनिंग सपोर्ट असिस्टेंस शुरू करने को मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि आर्थिक परेशानी के कारण ग्रासरूट स्तर पर खिलाड़ियों का प्रशिक्षण प्रभावित न हो, इसी उद्देश्य से यह सहायता दी जाएगी। इस राशि का इस्तेमाल खिलाड़ी अपनी खुराक, स्थानीय परिवहन, छोटे खेल उपकरण और चिकित्सा जैसी जरूरतों के लिए कर सकेंगे। योजना के दायरे में अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19 के साथ-साथ अंडर-21 आयु वर्ग के खिलाड़ी भी आएंगे।

योजना के तहत किसी स्पोर्ट्स सेंटर या स्टेडियम में नामांकित प्रशिक्षुओं में से अधिकतम 25 प्रतिशत को सहायता मिलेगी। सामान्यतः एक सेंटर से अधिकतम 100 खिलाड़ी इसके दायरे में होंगे। बड़े स्टेडियमों में बजट उपलब्ध होने पर संख्या 150 तक बढ़ाई जा सकेगी। खिलाड़ियों का चयन प्रदर्शन, अनुशासन व आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर होगा। प्रशिक्षुओं की 80त्न उपस्थिति अनिवार्य होगी।

गुरुग्राम-1 के एफएसओ नियुक्त हुए मनोज कुमार

गुरुग्राम। जिले की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को अब दो नए फूड सेफ्टी ऑफिसर (एफएसओ) मिल गए हैं। मनोज कुमार को गुरुग्राम-1 और डॉ. दीपक को गुरुग्राम-2 का एफएसओ नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारी वेटरनरी सर्जन हैं। गुरुग्राम के फूड सेफ्टी ऑफिसर एफएसओ डॉ. रमेश कुमार के तबादले के बाद जिले की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था अतिरिक्त प्रभार के सहारे चल रही थी। रेवाड़ी के एफएसओ संदीप कुमार को गुरुग्राम का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश के उप संचालक ने किया पीएमश्री स्कूल बुड़वा का दौरा

शैक्षणिक गतिविधियों का लिया जायजा, शिक्षा का गुणवत्ता स्तर मिला संतुष्टिपूर्ण

समय जगत, भोपाल। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश के उप संचालक मोहन टटेरे ने एमपी के शहडोल जिलांतर्गत ब्योहारी क्षेत्र में संचालित पीएमश्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़वा का दौरा किया। इस दौरान श्री टटेरे द्वारा विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लेने के साथ अध्ययन- अध्यापन के संदर्भ में छात्राओं से चर्चा भी की गई। उप संचालक ने शैक्षणिक गुणवत्ता परीक्षण के तहत क्लास में पढ़ाया भी तथा उन्होंने छात्राओं से कोर्स से जुड़े सवाल पूछे, जिसके छात्राओं ने सही जवाब दिए। उन्होंने संपूर्ण विद्यालय भवन का मुआयना किया, लैब देखा। उप संचालक को विद्यालय की संपूर्ण व्यवस्थाएं संतुष्टिपूर्ण मिलीं तथा विद्यालय का शैक्षणिक स्तर भी उत्तम प्राप्त हुआ, जिस पर उन्होंने संतुष्टि जताई तथा व्यवस्थाओं में उत्तरोत्तर सुधार एवं सुदृढ़ता के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान श्री टटेरे के साथ विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रह्मानंद श्रीवास्तव व विद्यालय के प्राचार्य रामलाल कोल भी मौजूद रहे।

गौ अभ्यारण्यों में फेंसिंग व चारदीवारी के साथ हरे चारे की व्यवस्था के निर्देश

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में बेसहारा गौवंश सड़कों पर नजर नहीं आना चाहिए। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर बेसहारा पशुओं को पकड़ा जाए तथा प्रत्येक पशु की टैगिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पशुओं की पहचान सुनिश्चित होने से यदि किसी घर या गौशाला से पशु बाहर आता है तो संबंधित पशुपालक की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जा सकेगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को सचिवालय में गौ सेवा आयोग और पशुपालन विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान हरियाणा के कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे। बैठक में प्रदेश में बेसहारा गौवंश की समस्या, गौशालाओं की व्यवस्थाओं, गौ अभ्यारण्यों, नस्ल सुधार तथा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पशुपालन विभाग के अधिकारियों और हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्री रामचंद कंबोज ने बेसहारा पशुओं और गौशाला में मौजूद गौवंश पर अपनी बात रखी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में अभियान चलाकर प्रत्येक गौवंश की टैगिंग की जाए। नगर निकायों द्वारा पकड़े जाने वाले पशुओं को गौशालाओं में छोड़ते समय भी उनकी टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाए, ताकि प्रत्येक पशु की पहचान सुनिश्चित हो सके। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कई बार कुछ पशुपालक सुबह और शाम पशुओं का दूध निकालने के बाद उन्हें खुले में घूमने के लिए छोड़ देते हैं, जिससे पशु सड़कों

पर बेसहारा अवस्था में नजर आते हैं। ऐसे मामलों में संबंधित पशुपालक की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई करने पर चर्चा हुई। इस दौरान पहली बार पशु पकड़े जाने पर 11 हजार रुपये, दूसरी बार 21 हजार रुपये का जुर्माना तथा तीसरी बार पशु पकड़े जाने पर एफआईआर दर्ज करने जैसी सख्त कार्रवाई का प्रावधान किए जाने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही ऐसे पशुपालकों को सरकार की ओर से पशुओं के लिए दी जाने वाली सुविधाओं, जैसे वैक्सीनेशन, इंश्योरेंस प्रीमियम आदि से वंचित करने तथा उनका नाम नेगेटिव लिस्ट में डालने की व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पकड़े गए पशुओं को निर्धारित कार्रवाई किए बिना वापस नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बेसहारा पशुओं को पकड़ने के लिए पूरे प्रदेश में जिला वार टेंडर करने के निर्देश दिए, ताकि विशेष अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया जा सके। मुख्यमंत्री ने गौ अभ्यारण्यों की व्यवस्था करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में उचित फेंसिंग करवाई जाए। जिस क्षेत्र में पशुओं को रखना है, वहां चारदीवारी की व्यवस्था की जाए तथा शेष क्षेत्र में हरे चारे की बुआई करवाई जाए। गौ अभ्यारण्यों में पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने, गौवंश के बेहतर रखरखाव, नस्ल सुधार तथा गौशालाओं में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गौशालाओं को सुदृढ़ करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा गौ सेवा आयोग इस दिशा में विशेष कार्य करते हुए गौशालाओं के साथ सामांजस्य बनाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 707 गौशालाएं पंजीकृत हैं, जिनमें करीब 4 लाख गौवंश हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आवारा कुत्तों की समस्या पर भी संज्ञान लेते हुए इसके प्रभावी समाधान के लिए योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नगर निकाय विभाग और पशुपालन विभाग संबंधित गाइडलाइन के अनुसार समन्वय के साथ कार्य करें। इस दौरान मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, पशुपालन विभाग के प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री अशोक मीणा, पशुपालन विभाग के महानिदेशक डॉ प्रेम सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

संपादकीय

पाकिस्तान की बेहतरी के लिए जरूरी है आतंकवाद पर लगाम

देश के लिये आतंकवाद लंबे समय से बड़ा मुद्दा है। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्वास बहाली के लिए अनुकूल माहौल जरूरी है। जिसके लिये पाकिस्तान को आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता आया है। सीमा पार से आतंकियों को प्रशिक्षण देना, उन्हें भारत में हिंसा फैलाने के लिए भेजना और आतंकी घटनाओं के बाद भी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना उसकी नीति का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर कार्रवाई की एक कीमत होती है और अब पाकिस्तान को अपने इसी रवैये की कीमत पानी के मोर्चे पर चुकानी पड़ रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो कठोर निर्णय लिया, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। लद्दाख में सिंधु नदी पर चेक डैम का निर्माण इसी बदलती तस्वीर का संकेत है। लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर तैयार किया गया पहला रॉक चेक डैम केवल पानी रोकने वाली एक छोटी परियोजना नहीं है। यह बदलते भारत की सोच और उसकी जल नीति का प्रतीक है। जिस सिंधु नदी के पानी को लेकर भारत ने दशकों तक संधि की मर्यादाओं का पालन किया, उसी नदी के पानी का अपने लोगों के हित में बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में अब कदम बढ़ रहे हैं।

उपशी में तैयार चेक डैम में पानी जमा होना और उसके माध्यम से आसपास के खेतों तक सिंचाई पहुंचने की संभावना लद्दाख जैसे दुर्गम और पानी की कमी वाले क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुरुआत भर है। लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और चेक डैम बनाने की तैयारी की जा रही है। इनमें लेह में सात हिमालयन रॉक चेक डैम और करगिल में 29 चेक डैम प्रस्तावित बताए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 56 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। लद्दाख की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। प्राकृतिक चट्टानों से तैयार की गई ऐसी संरचनाएं पानी को रोकने, भूजल स्तर सुधारने और खेतों तक पानी पहुंचाने में उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाए जा रहे इन ढांचों से जल संरक्षण और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश भी दिखाई देती है। ऐसे में पाकिस्तान आतंकवाद पर लगाम लगाए तो उससे जुड़े शेष मुद्दों का समाधान भी हो सकता है।

दुबई में बजा मोहन का डंका, एमपी में संभावनाएं हैं अपार

नजरिया

प्रदेश में 18 नई उद्योग अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है।

हर्षवर्धन पांडे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग का आगाज किया है। वार्षिक निवेश बैठक एआईएम कॉंग्रेस 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य को वैश्विक मंच पर एक सशक्त, भरोसेमंद और संभावनाओं से भरे औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया दुबई दौरा राज्य के आर्थिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्र दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत करते हुए निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा प्रयास किया। यह दौरा न केवल एमपी की छवि को नया रूप देने वाला रहा, बल्कि भविष्य में निवेश के लिहाज से और युवाओं को रोजगार के लिहाज से मध्यप्रदेश के लिए कई संभावनाओं के नए द्वार भी खोलेगा। मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है। राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। दुबई के व्यापारिक समुदाय के साथ हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जहां टैक्स छूट, तेज़ मंजूरी प्रक्रिया और कुशल कार्यबल उपलब्ध है।

दुबई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक निवेशकों और प्रमुख उद्योग समूहों के साथ वन टू वन बैठकों में लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 53,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगी। शराफ ग्रुप द्वारा रेल-साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 450 करोड़ रुऔर रिन्यूएबल एनर्जी व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर पूँजी निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई। वैश्विक लॉजिस्टिक्स दिग्गज डीपी वर्ड नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय चर्चा में पोवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कंपोजिट हब को मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स, कोल्ड चेन और वेयरहाउसिंग सुविधाओं के साथ एक प्रमुख इनलैंड लॉजिस्टिक्स प्रवेश द्वार बनाने पर सहमति बनी। इससे प्रदेश के कृषि उत्पादों और एमएसएमई सेक्टर को खाड़ी देश सहित वैश्विक बाजारों से सीधा जुड़ाव मिलेगा। बीआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। मोहन सरकार के मजबूत प्रयासों से राज्य में ओडीओपी उत्पादों की जबरदस्त ब्रांडिंग हो रही है। इन उत्पादों को ई-कॉमर्स और एक्सपोर्ट हब्स से भी जोड़ा जा रहा है। ताज दुबई में आयोजित विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से मध्यप्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीददारों के सामने प्रस्तुत किया गया। इससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नए द्वार खुलेंगे।

दुबई दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों और बैठकों में भाग लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, पर्यटन स्थलों और बुनियादी ढांचे के विकास की विस्तृत जानकारी दी। मध्य प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थलों जैसे खजुराहो, सांची और मांडू को दुबई के पर्यटकों के लिए प्रचारित किया गया। इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीतिगत सहूलियतों को रेखांकित किया गया। इसके अतिरिक्त, बिआह समूह के साथ कचरा प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और स्मार्ट सिटी समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। दुबई दौरे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई के प्रमुख निवेशकों से मुलाकात की, जिसमें रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अनेक संभावनाएं तलाशी गईं। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए कई प्रोजेक्ट्स ने दुबई के कारोबारियों को अपनी तरफ आकर्षित किया और निवेश का भरोसा दिलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

कुल मिलाकर, डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि राज्य की युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। आने वाले समय में इस दौरे के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, जब मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करेगा । दुबई का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में उनका एक निर्णायक कदम साबित हुआ है। डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में एमपी अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उभरता हुआ निवेश केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश के निवेश अभियान को वैश्विक स्तर पर गति देने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा एमपी को देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

विश्व को भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन से दिया शांति का संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

पूरा विश्व इस समय जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें भारत के नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल राष्ट्राध्यक्षों की एक कूटनीतिक बैठक भर नहीं है। यह सम्मेलन बदलती हुई विश्व व्यवस्था, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों और विकासशील देशों की बढ़ती आकांक्षाओं के बीच भारत की भूमिका को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। 12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है। ज्ञात रहे कि वर्ष 2026 में भारत चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इस बार उसका केंद्रीय विषय है (बिल्डिंग फॉर रेसिलियंस इनोवेशन कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी) अर्थात लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण 7 भारत ने अपनी अध्यक्षता को ह्यूमैनिटी फर्स्ट की सोच से जोड़ते हुए ब्रिक्स को अधिक व्यावहारिक और विकासोन्मुख मंच बनाने पर जोर दिया है। यही इस सम्मेलन से भारत का पहला और सबसे बड़ा संदेश है- विश्व राजनीति को टकराव से निकालकर सहयोग की दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। आज विश्व के अनेक हिस्से संघर्ष की आग में झुलस रहे हैं। यूक्रेन संकट, पश्चिम एशिया की अस्थिरता और अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को जटिल बना दिया है। ऐसे समय में भारत लगातार इस बात पर जोर देता आया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। ब्रिक्स का मंच भारत को यह संदेश देने का अवसर देता है कि अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं और राष्ट्रीय हितों वाले देश भी संवाद और सहयोग के माध्यम से साझा समस्याओं पर काम कर सकते हैं। भारत की विदेश नीति का मूल स्वर न तो किसी एक शक्ति-गुट के साथ खड़ा होना है और न किसी दूसरे गुट के विरोध में खड़ा होना। भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च रखते हुए सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखना चाहता है। यही रणनीतिक स्वायत्तता आज भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत बनती दिखाई दे रही है। ब्रिक्स अब केवल पांच देशों का आर्थिक समूह नहीं रह गया है। इसके विस्तार ने इसे विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना दिया है। भारत इस मंच के माध्यम से ग्लोबल साउथ की उस आवाज को मजबूती देना चाहता है, जो लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करती रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की निर्णय प्रक्रिया में विकासशील देशों की वास्तविक आर्थिक और जनसंख्या-आधारित ताकत के अनुरूप प्रतिनिधित्व का सवाल लगातार उठता रहा है। भारत का संदेश स्पष्ट है– 21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था 20वीं सदी की शक्ति-संरचना के आधार पर नहीं चल सकती । विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए वैश्विक संस्थाओं में भी उनकी आवाज और भागीदारी बढनी चाहिए। नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण आयाम आर्थिक सहयोग भी होगा। भारत ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, निवेश, वित्तीय सहयोग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है।

भारत की अध्यक्षता में व्यापार मंत्रियों की बैठकों में भी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला और विविध बनाने तथा छोटे एवं मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजार से जोडने पर जोर दिया गया है। भारत का अनुभव बताता है कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, विशेषकर डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन और तकनीक आधारित सेवाएं विकासशील देशों के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकती हैं। इसलिए ब्रिक्स के मंच से भारत का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि तकनीक केवल विकसित देशों का विशेषाधिकार नहीं होनी चाहिए। भारत आज दुनिया के सामने अपनी डिजिटल क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। डिजिटल भुगतान को आम नागरिक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यदि ब्रिक्स देश डिजिटल भुगतान, फिनटेक, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाते हैं, तो इससे विकासशील देशों के करोड़ों लोगों को लाभ मिल सकता है। यह भारत की उस सोच से मेल खाता है जिसमें तकनीक का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि आम आदमी का सशक्तीकरण भी है। नई दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष भारत-चीन संबंध भी है। चीन की भागीदारी इस सम्मेलन को रणनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और रणनीतिक अविश्वास के बावजूद हाल के वर्षों में संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह चीन के साथ संवाद बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा चिंताओं से समझौता न करे। यही भारतीय कूटनीति की परीक्षा है– प्रतिस्पर्धा के बीच सहयोग और मतभेदों के बीच संवाद भारत यह संदेश देना चाहता है कि किसी देश के साथ आर्थिक या राजनीतिक मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि संवाद के सभी रास्ते बंद कर दिए जाएं। ब्रिक्स में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका है।

खेतों में फसल, आसमान में उतरेगी ऊर्जा

विनोद सिंह

भारत के खेत अब केवल अन्न पैदा करने तक सीमित नहीं रहेंगे। आने वाले समय में यही खेत देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। खेत की मिट्टी में फसल लहलहाए और उसी खेत के ऊपर लगे सौर पैनल स्वच्छ बिजली पैदा करें कृषि और ऊर्जा के इस नए संगम को एग्रीवोल्टिक्स कहा जा रहा है। यह अवधारणा भारत जैसे देश के लिए विशेष महत्व रखती है, जहाँ एक ओर बड़ी आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, वहीं दूसरी ओर तेजी से बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पूरा करना है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री डॉ. प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली में 7वें एग्रीवोल्टिक्स वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस 2026 के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस दिशा में भारत की भावी नीति का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि जिस किसान ने हमेशा देश का पेट भरा है, वही अब देश को रोशन भी कर रहा है। अन्नदाता अब ऊर्जादाता बन रहा है। यह कथन केवल एक भावनात्मक संदेश नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र को ऊर्जा उत्पादन से जोड़कर किसानों की आय में स्थिरता लाने की संभावनाओं की ओर संकेत करता है। सबसे महत्वपूर्ण घोषणा यह है कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान यानी पीएम- कुसुम के अगले चरण में एग्रीवोल्टिक्स के लिए एक समर्पित घटक लायाजाएगा। इसका उद्देश्य किसानों को खेती जारी रखते हुए सौर ऊर्जा उत्पादन से आय का अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध कराना है। इसमें विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों और पंचायतों को केंद्र में रखा जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि का स्वामित्व किसान के पास ही बना रहे। भारत की कृषि व्यवस्था की सबसे बड़ी वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश किसान छोटे और सीमांत हैं। ऐसे किसान सीमित भूमि पर खेती करते हैं और उनकी आय काफी हद तक मानसून बाजार भाव तथा कृषि लागत पर निर्भर रहती है। ऐसे में यदि उसी भूमि से नियमित सौर ऊर्जा आय का एक नया स्रोत जुड़ जाए तो किसान की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। एग्रीवोल्टिक्स का मूल विचार भी यही है कि किसान को फसल और सौर ऊर्जा में से किसी एक का चुनाव न करना पड़े। सौर पैनलों को इस तरह स्थापित किया जाए कि उनके नीचे या आसपास खेती जारी रह सके। यानी जमीन पर फसल और उसके ऊपर सूर्य की रोशनी से बिजली एक ही खेत से दोहरा लाभ । यही मॉडल सीमित कृषि भूमि के अधिकतम उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। डॉ. जोशी ने एक एकड़ जमीन से

किसान की संभावित तीन आय धाराओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। पहली आय खेत में पैदा होने वाली फसल से होगी। दूसरी आय सौर ऊर्जा को डिस्कॉम को बेचने से प्राप्त हो सकती है। तीसरा लाभ डीजल आधारित सिंचाई की जगह सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से होने वाली बचत के रूप में सामने आएगा। इस प्रकार सौर ऊर्जा किसान के लिए केवल अतिरिक्त कमाई नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा का साधन बन सकती है। भारत की जनसंख्या और भूमि का अनुपात भी एग्रीवोल्टिक्स की उपयोगिता को स्पष्ट करता है। भारत में विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी रहती है, जबकि विश्व की कुल भूमि में भारत की हिस्सेदारी लगभग 2.4 प्रतिशत है। देश के 85 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और सीमांत श्रेणी में आते हैं और दो हेक्टेयर से कम भूमि पर खेती करते हैं। ऐसी परिस्थिति में कृषि भूमि का ऐसा उपयोग, जिसमें खाद्य उत्पादन प्रभावित किए बिना ऊर्जा उत्पादन भी किया जा सके, आने वाले समय में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। दूसरी ओर भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में लगातार अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। देश ने पिछले वर्ष 55.29 गीगा वाटगैर जीवाश्म ऊर्जा क्षमता जोड़ी। यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि भारत की ऊर्जा व्यवस्था तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सौर ऊर्जा इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। कृषि क्षेत्र में भी सौर ऊर्जा का विस्तार दिखाई दे रहा है। पीएम- कुसुम के तहत लगभग 29 लाख कृषि पंपों का सोलरीकरण किया जा चुका है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। पिछले वर्ष विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा ने कुल 16.3 गीगावाट का योगदान दिया, जिसमें पीएम- कुसुम से 7.6 गीगावाट और रूफटॉप सोलर से 8.7 गीगावाट शामिल हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों की संख्या भी करीब 56 लाख तक पहुँच रही है। हालाँकि एग्रीवोल्टिक्स को केवल सौर पैनल लगाने की सामान्य तकनीक मानना उचित नहीं होगा। कृषि और सौर ऊर्जा दोनों की जरूरतों को साथ लेकर चलने के लिए क्षेत्रवार और फसलवार वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक होंगे। हर फसल को समान मात्रा में धूप की आवश्यकता नहीं होती। इसी तरह देश के अलग- अलग क्षेत्रों में जलवायु, मिट्टी, वर्षा और तापमान की परिस्थितियाँ भी अलग हैं। इसलिए पैनल की ऊँचाई, उनके बीच की दूरी, दिशा, ट्रैकिंग सिस्टम और संरचना का निर्धारण स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप करना होगा। इस दिशा में पुणे स्थित बाएफ के रूरल इनोवेशन सेंटर में 30 फसलों के साथ 17 अलग-अलग सौर विन्यासों का परीक्षण किया जा रहा है। यह प्रयोग इस बात का उदाहरण है कि एग्रीवोल्टिक्स की सफलता के लिए अनुसंधान और प्रयोग कितना महत्वपूर्ण है। भविष्य में यह तय करना होगा कि किस क्षेत्र में किस फसल के साथ किस प्रकार की सौर संरचना सबसे प्रभावी होगी । कृषि मशीनरी की आवाजाही भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है।यदि खेत में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर या अन्य कृषि उपकरण आसानी से नहीं चल पाएंगे तो किसानों के लिए एग्रीवोल्टिक्स आकर्षक मॉडल नहीं बन सकेगा। इसलिए ऐसी संरचनाओं की आवश्यकता होगी जिनके नीचे कृषि कार्य सामान्य रूप से किया जा सके और जो स्थानीय मौसम की परिस्थितियों का भी सामना कर सकें। इसके साथ लागत कम करना भी जरूरी होगा। सौर संरचनाओं, माउंटिंग सिस्टम और अन्य उपकरणों की लागत यदि अधिक रही तो छोटे किसान के लिए इस मॉडल को अपनाना कठिन हो सकता है। इसलिए उद्योग, स्टार्टअप और शोध संस्थानों को कम लागत वाली, मजबूत और किसान केंद्रित तकनीक विकसित करनी होगी। एग्रीवोल्टिक्स की सफलता के लिए कृषि क्षेत्र का वैज्ञानिक ज्ञान भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना ऊर्जा क्षेत्र का तकनीकी ज्ञान । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा फसलवार तथा क्षेत्रवार आंकड़े तैयार किए जाने की आवश्यकता है। इससे किसानों को यह जानकारी मिल सकेगी कि उनके क्षेत्र में कौन-सी फसल और कौन-सा सौर विन्यास सबसे उपयुक्त रहेगा। इस नई व्यवस्था के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन भी जरूरी है। भारत में लगभग 70 हजार सूर्य मित्रों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। ये प्रशिक्षित युवा ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना, रखरखाव और तकनीकी सहायता में भूमिका निभा सकते हैं। इससे नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। एग्रीवोल्टिक्स की संभावनाएँ केवल भारत तक सीमित नहीं हैं। डॉ. जोशी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का अनुभव ग्लोबल साउथ के उन देशों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है, जहाँ छोटे कृषि जोत, पर्याप्त

38 साल बाद श्रीलंका की यात्रा पर पहुंचे भारतीय रक्षा मंत्री

नीरज कुमार दुबे

श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। करीब 38 साल बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री का श्रीलंका पहुंचना हिंद महासागर की बदलती भू-राजनीति में भारत की उस रणनीतिक वापसी का संकेत है, जिसमें सुरक्षा, समुद्री शक्ति, आर्थिक साझेदारी और जनविश्वास, चारों मोर्चों को एक साथ साधा जा रहा है। इससे पहले 1988 में तत्कालीन रक्षा मंत्री केसी पंत श्रीलंका गए थे और अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोलंबो की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। लेकिन मौजूदा घटनाक्रम संकेत देता है कि कोलंबो अब एकतरफा चीनी निर्भरता की बजाय संतुलित साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है। खुद श्रीलंका के संडे टाइम्स ने राजनाथ सिंह के दौरे से पहले लिखा कि भारत चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू किया जाए। अखबार ने यह भी रेखांकित किया कि सिंह की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब श्रीलंका को अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक सक्रियता से संचालित करना होगा। इसी अखबार के संपादकीय ने इससे भी बड़ा संकेत दिया। उसने हिंद महासागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों, समुद्री मार्गों और बंदरगाहों की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच श्रीलंका को फिर से जिओपालिटिकल वोर्टेक्स में बताया और चीन के संदर्भ में पहले सामने आए संदिग्ध शोध-पोतों के मुद्दे को याद किया। यानी श्रीलंका की अपनी मीडिया बहस भी यह स्वीकार कर रही है कि द्वीप की सुरक्षा और संप्रभुता अब सीधे हिंद महासागर की महाशक्ति प्रतिस्पर्धा से जुड़ी है। इस यात्रा का सबसे ठोस परिणाम तीन महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों के रूप में सामने आ रहा है। इनमें दोनों देशों के एनसीसी के बीच सहयोग, भारत और श्रीलंका के नेशनल डिफेंस कालेजेज के बीच साझेदारी तथा श्रीलंकाई वायुसेना के भारतीय मूल के रु70 एंटी-एयरक्राफ्ट हथियारों के रखरखाव में भारत की सहायता शामिल है। भारत पहले ही 24 ऐसे हथियार श्रीलंका को दे चुका है और अब शेष छह की भी मुफ्त में मेंटेनेंस सहायता करेगा। यहां असली महत्व हथियारों से ज्यादा दीर्घकालिक सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी और संस्थागत संबंधों का है। प्रशिक्षण, रक्षा शिक्षा और उपकरणों का रखरखाव किसी देश को केवल हथियार बेचने से कहीं ज्यादा गहरे सुरक्षा रिश्ते में बांधता है। इसके साथ ही कोलंबो बंदरगाह पर भारतीय नौसेना के आईएनएस उदैगिरि की मौजूदगी ने यात्रा को स्पष्ट समुद्री आयाम भी दे दिया है। राजनाथ सिंह ने केवल रक्षा की भाषा नहीं बोली। उन्होंने भारत की आर्थिक क्षमता, तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और वैश्विक भूमिका को भी सामने रखा।

सेवानिवृत्त शिक्षक से एरियर निकालने के नाम पर मांगे पांच हजार, वरिष्ठ सहायक रंगेहाथ दबोचा

एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई से बीएसए कार्यालय में मचा हड़कंप

पेंशन पटल के वरिष्ठ सहायक राजेश कुशवाहा के खिलाफ कार्रवाई शुरू

समय जगत, ललितपुर। मुख्यालय स्थित बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एंटी करप्शन टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए पेंशन पटल पर तैनात वरिष्ठ सहायक राजेश कुशवाहा को कथित तौर पर पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया। कार्रवाई उस समय हुई, जब 82 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक अपने महंगाई भत्ते के एरियर की करीब 30 से 40 हजार रुपये की धनराशि प्राप्त करने के लिए कार्यालय पहुंचे थे। तालबेहट निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक मदनमोहन नामदेव वर्ष 2007 में माताटीला क्षेत्र के वनगुवां कलां स्थित प्राथमिक विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी उम्र वर्तमान में 82 वर्ष है। सेवानिवृत्त शिक्षक के अनुसार उनका महंगाई भत्ते का एरियर करीब 30 से 40 हजार रुपये अगस्त माह में आया था। उक्त धनराशि प्राप्त करने के लिए वह करीब एक माह से विभागीय कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे। सेवानिवृत्त शिक्षक के मुताबिक पेंशन पटल पर तैनात वरिष्ठ सहायक राजेश कुशवाहा ने कथित तौर पर एरियर की धनराशि निकालने के एवज में उनसे पांच हजार रुपये की मांग की। सेवानिवृत्त शिक्षक ने बताया कि आठ सितंबर को हुई बातचीत के बाद उन्होंने 10 सितंबर को कार्यालय आकर रुपये देने की बात कही। इसके बाद सेवानिवृत्त शिक्षक ने गुरुवार सुबह पूरे मामले की जानकारी एंटी करप्शन टीम को दी। शिकायत के आधार पर टीम ने कार्रवाई की रणनीति तैयार की और कार्यालय में अपना जाल बिछाया। बताया गया कि तय योजना के अनुसार सेवानिवृत्त शिक्षक रुपये लेकर बीएसए कार्यालय पहुंचे। इसी दौरान एंटी करप्शन टीम ने पेंशन पटल के वरिष्ठ सहायक राजेश कुशवाहा को कथित रूप से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया। टीम की कार्रवाई से कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के बाद एंटी करप्शन टीम ने संबंधित कर्मचारी के खिलाफ आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई शुरू कर दी। टीम द्वारा कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी मांगी गई। बताया गया कि फुटेज उपलब्ध कराने में टीम को करीब एक घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई की जानकारी फैलते ही बीएसए कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया गया कि दोपहर करीब डेढ़ से दो बजे के बीच कार्यालय में तैनात कुछ कर्मचारी लंच ब्रेक का हवाला देते हुए टिफिन लेकर बाहर निकल गए। वहीं कार्रवाई के दौरान पकड़े गए वरिष्ठ सहायक राजेश कुशवाहा से संबंधित दस्तावेजी प्रक्रिया टीम द्वारा पूरी की जाती रही।

दोपहर करीब दो बजे कार्यालय पहुंचे बीएसए रत्नेश कुमार श्रीवास्तव ने मीडिया को बताया कि वह अभी-अभी कार्यालय पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें दूरभाष के माध्यम से एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई की जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि टीम के सदस्यों से मिलकर पूरे मामले की जानकारी ली जाएगी। एंटी करप्शन टीम की इस कार्रवाई के बाद बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यालय में दिनभर मामला चर्चा का विषय बना रहा।

वी-5 की अंतिम बैठक में सौंपी गईं महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

सुंदरकांड पाठ के साथ बैठक का शुभारंभ

समय जगत, ललितपुर। पंचरत्न विश्वकर्मा समाज वी-5 के तत्वावधान में आगामी 17 सितंबर को आयोजित होने वाले भगवान विश्वकर्मा पूजन महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए वी-5 कार्यालय, वीआईपी मोटर्स पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने सहभागिता करते हुए महोत्सव को भव्य एवं सफल बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया। शुभारंभ सुबह सुंदरकांड पाठ के साथ किया गया। सुंदरकांड पाठ के उपरांत आयोजित बैठक में 17 सितंबर को होने वाले भगवान विश्वकर्मा पूजन महोत्सव की विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। आयोजन को व्यवस्थित, भव्य और सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं समाज के जिम्मेदार लोगों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। बैठक में जिम्मेदारियां प्राप्त करने वाले पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों ने कहा कि आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ समय से पूरा किया जाएगा। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा पूजन महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संगठनात्मक मजबूती और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। महोत्सव को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। इस अवसर पर समाजबंधुओं से आह्वान किया गया कि वे अपने तन, मन और सामर्थ्य के अनुसार सहयोग प्रदान करते हुए आयोजन को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। बैठक में उपस्थित लोगों ने आयोजन को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक समाजबंधुओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में एक सैकड़ा से अधिक समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। इसी दौरान प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों को आगामी भगवान विश्वकर्मा पूजन महोत्सव की तैयारियों, आयोजन के उद्देश्य और विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव को लेकर समाज में विशेष उत्साह है और आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

नवागत कमिश्नर दिलीप कुमार पहुंचे बीएमसी, भर्ती पीड़ितों का जाना हाल

समय जगत, सागर। बंडा में हुए अवैध जहरीली शराब हादसे के बाद प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नवागत संभागायुक्त श्री दिलीप कुमार ने पदभार संभालते ही सीधे बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचकर भर्ती पीड़ितों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री दिलीप कुमार ने अस्पताल के वार्डों में जाकर भर्ती एक-एक मरीज की स्थिति देखी। उन्होंने पीड़ितों और उनके परिजनों से सीधी बातचीत कर मिल रहे इलाज का फीडबैक लिया और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन उनके बेहतर इलाज और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी प्रभावित मरीजों के बेहतर और त्वरित उपचार के लिए आवश्यक निर्देश दिए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, बीएमसी के प्रभारी डीन डॉ. अमर गंगवानी, अधीक्षक डॉ. राजेश जैन सहित डॉ. सौरभ जैन भी मौजूद रहे।

ग्राम तेरा में मौरंग माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा

22,500 घनमीटर अवैध मौरंग खनन की जांच में पुष्टि

- 1.35 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली का नोटिस जारी
- ग्राम प्रधान समेत तीन लोगों को नोटिस

समय जगत,ललितपुर। जनपद के ग्राम तेरा में लंबे समय से चल रहे कथित अवैध मौरंग खनन के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 22,500 घनमीटर उपखनिज (लाल मौरंग) के अवैध उत्खनन एवं परिवहन का मामला पकड़ा है। जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई जांच के बाद ग्राम प्रधान समेत तीन लोगों को नोटिस जारी कर 1.35 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई ने क्षेत्र में सक्रिय अवैध खनन नेटवर्क पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं लंबे समय से जारी खनन गतिविधियों को लेकर खनिज विभाग की कार्यप्रणाली भी चर्चा के केंद्र में आ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत के आधार पर खनन विभाग ने ग्राम तेरा स्थित खनन स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर बड़े पैमाने पर खुदाई के गड्ढे पाए गए, जिनमें पानी भरा हुआ था। विभागीय अधिकारियों ने गड्ढों की पैमाइश कराई, जिसमें लगभग 90 मीटर लंबाई, 50 मीटर चौड़ाई और 5 मीटर गहराई में खनन किए जाने की पुष्टि हुई। जांच रिपोर्ट में बताया गया कि इस क्षेत्र से करीब 22,500 घनमीटर लाल मौरंग का अवैध खनन एवं परिवहन किया गया।

खनन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार प्रथम दृष्टया यह अवैध खनन ग्राम प्रधान बिंदे अहिरवार, बॉबी राजा खोखरा तथा मचकुन्द राजा द्वारा कराए जाने की बात सामने आई है। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में इन व्यक्तियों को अवैध खनन के लिए जिम्मेदार ठहराया है। शिकायतकर्ता चंदन सिंह की उपस्थिति में किए गए निरीक्षण के आधार पर रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय को भेजी गई थी। जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम के तहत अवैध खनन से राजस्व को हुई क्षति की भरपाई के लिए एक करोड़ पैंतीस लाख रुपये) की धनराशि निर्धारित की गई है। संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर अपना पक्ष रखने तथा साक्ष्यों सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।खनन माफियाओं के खिलाफ प्रशासन की यह कार्रवाई जिले में अवैध खनन पर शिकंजा कसने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। लंबे समय से ग्रामीणों द्वारा क्षेत्र में अवैध मौरंग उत्खनन की शिकायतें की जा रही थीं। अब जांच में बड़े पैमाने पर खनन की पुष्टि होने के बाद संबंधित लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मामले पर जिले भर की निगाहें टिकी हुई हैं और आगामी कार्रवाई को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

लंबे समय से चल रहा था अवैध खनन, शिकायत के बाद प्रशासन ने की कार्रवाई

जनपद में लंबे समय से दबंगों के संरक्षण में कथित रूप से अवैध खनन का खेल चलता रहा। स्थानीय लोगों द्वारा लगातार शिकायतें किए जाने के बावजूद खनन गतिविधियां नहीं रुकीं, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में दिन-रात खनन कार्य होता रहा, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद प्रशासन हरकत में आया और कार्रवाई की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि अवैध खनन लंबे समय से जारी था तो खनिज विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रहे खनन के बावजूद विभागीय अधिकारी आंखें मूंदे रहे। अब प्रशासन की कार्रवाई के बाद लोगों को उम्मीद है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी और जिम्मेदार अधिकारियों तथा अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन पर प्रशासन की कार्रवाई कई बड़े लोगों के नाम चर्चा में

अवैध खनन के खिलाफजिला प्रशासन की हालिया कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई के दौरान बॉबी राजा और मुचकंद राजा के नाम सामने आने की चर्चा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दोनों व्यक्ति ग्राम तेरा एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से दबंगई के बल पर अवैध खनन गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं। क्षेत्र में लगातार खनन होने से पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है और सरकारी राजस्व को भी क्षति पहुंची है। जानकारी के अनुसार खनिज विभाग द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन कार्रवाई नोटिसों तक ही सीमित रही। आरोप है कि नोटिस जारी होने के बाद भी अवैध खनन का कार्य नहीं रुका और संबंधित लोग लगातार खनन गतिविधियों में संलिप्त रहे। इसको लेकर विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हुए है। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जाती तो अवैध खनन इतने लंबे समय तक जारी नहीं रह पाता।जिला प्रशासन की ताजा कार्रवाई के बाद अब पूरे मामले की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि केवल नोटिस जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अवैध खनन में शामिल लोगों और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद यह मामला जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग आगे की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

गहोई गौरव का दशहरा मिलन समारोह 27 अक्टूबर को होगा

समय जगत, झांसी । गहोई गौरव संस्था की साधारण सभा आज होटल प्रभा से आयोजित की गयी जिसमें गहोई समाज के सभी बंधुओं के लिए दशहरा मिलन समारोह 27 अक्टूबर मंगलवार को शाम 7 बजे से मनाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया संस्थापक अध्यक्ष मनमोहन गेडा ने बताया कि कार्यक्रम में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिसमें गहोई समाज के सभी बंधु आयेंगे कार्यक्रम में समाज के बंधुओं का रात्रि भोज के साथ मीठा पान खिलाकर शुभकामनाएं दी जायेगी गहोई गौरव ये कार्यक्रम विगत 13 वर्षो से समाज के लिए करता आ रहा है उसी तरह इस वर्ष भी कार्यक्रम मनाया जायेगा।अध्यक्ष गोपाल मर ने कहा कि दशहरा मिलन समारोह श्री लक्ष्मी व्यायाम मन्दिर गेट नंबर 1 खंडेराव गेट झाँसी से किया जायेगा जिसमें समाज के सभी सदस्यों को घर घर कार्ड देकर आमंत्रण दिया जायेगा गहोई समाज के सभी लोगो से उक्त कार्यक्रम में आने का आहवान किया इस कार्यक्रम के निदेशक सुनील बिलैया बब्बल एवं नितिन सरावगी को बनाया गया साथ ही कार्यक्रम. समन्वयक कृष्ण मुरारी गुप्ता राजू एवं के डी गुप्ता को और कार्यक्रम संयोजक विजय गुप्ता गब्बर, सुदीप बिलैया, उमेश चउदा,संजीव पहारिया जिम्मेदारी दी गयी

बैठक में संरक्षक रामकुमार लोहिया राजीव नगरिया, निवर्तमान अध्यक्ष सुशील गुप्ता क्रेशर ,पूर्व अध्यक्ष रवींद्र रूसिया, संजय गुप्ता क्रेशर, कमलेश सेठ रज्जु, अमित सेठ सरजी, जुगल किशोर सेठ, इंजी सतीश सेठ एवं वरिष्ठ राम कुमार गुप्ता स्टील पैलेस ,मिलन गुप्ता के साथ साथ विवेक गेड़ा, सत्यव्रत सरावगी, गोविंद बरसैंया, भुवन भास्कर गुप्ता, राजेश खांगट, दीपक मलईया, संजीव पटवारी, राधे गोविंद गुप्ता, अम्बर नौगरइया, महेश कनकने , मयूर गुप्ता, सौरभ गुप्ता, जेके गुप्ता, विवेक सेठ, नीरज चऊदा, गौरव गुप्ता, शिवम गुप्ता, पवन सेठ टिकूँ, अजय गुप्ता, संजय गुप्ता, विजय गुप्ता, राहुल गुप्ता, आनंद गुप्ता, रवि बरसैंया विकास गुप्ता, राम सेठ, विशाल चऊदा, शिवम सोनी, आंजनेय गुप्ता आदि उपस्थित रहे संचालन आकाश नीखरा एवं आभार महामंत्री अमर नगरिया ने व्यक्त किया ।

अत्याचार और अवैध कब्जों के खिलाफ भीम आर्मी का प्रदर्शन, डीएम-एसपी को सौंपा ज्ञापन

समय जगत, ललितपुर। जिले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों के साथ कथित उत्पीड़न, मारपीट, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों तथा सरकारी एवं सामुदायिक उपयोग के लिए आरक्षित जमीनों पर अवैध कब्जों के मामलों को लेकर भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के समक्ष आवाज उठाई। संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मामलों में प्रभावी कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में दलित एवं आदिवासी समाज से जुड़े लोगों के साथ मारपीट और उत्पीड़न की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई मामलों में शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए संगठन ने प्रशासन से संबंधित मामलों में निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफसुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने और गिरफ्तारी की मांग की। भीम आर्मी ने आरोप लगाया कि अहिरवार समाज को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक एवं अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं, जिस पर आईटी एक्ट के तहत कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी।

दुकान खुलवाने के नाम पर दो लाख रुपये लेने का आरोप

समय जगत, ,ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के चौबयाना निवासी चंद्रशेखर दुबे पुत्र स्व.रामकिशन दुबे ने कटरा बाजार की जड़ीबूटी लाइन में किराने की दुकान संचालित करने वाले दीपक जैन व उसके भाई संजू जैन के खिलाफ धोखाधड़ी कर दो लाख रुपये लेने तथा रकम वापस मांगने पर अभद्रता और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाना प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

निवाड़ी जिला सर्वोदय मंडल के संयोजक बने कैलाश रावत

समय जगत, निवाड़ी । मध्य प्रदेश सर्वोदय मंडल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री चिन्मय मिश्र द्वारा सर्वसम्मति से प्रदेश कार्यकारिणी जिला पदाधिकारी का मनोनयन किया निवाड़ी जिला सर्वोदय मंडल का संयोजक समाजवादी चिंतक विचारक कैलाश रावत जी को बनाया गया है अध्यक्ष सर्वोदय नेता श्री लाल सिंह गौर जी को नियुक्त किया है दोनों नियुक्तियों पर जिले के कार्यकर्ता समाज से भी और सर्वोदयों ने शुभकामनाएं दी ।

बीएसए के औचक निरीक्षण में विद्यालयों की खुली पोल शिक्षामित्र व शिक्षक मिले अनुपस्थित

समय जगत, ललितपुर। बेसिक शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं और विद्यालयों में शिक्षण कार्य की हकीकत जानने के लिए बीएसए रत्नेश कुमार ने विकास खंड तालबेहट के विभिन्न प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कहीं पठन-पाठन एवं व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं तो कई विद्यालयों में शिक्षकों की लापरवाही, अनुपस्थिति, गंदगी, खराब शौचालय, उपस्थिति पंजिकाओं में अनियमितता और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में कमी जैसी गंभीर खामियां सामने आईं। बीएसए ने संबंधित विद्यालयों के जिम्मेदारों से स्पष्टीकरण तलब करते हुए व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए हैं। बीएसए ने सुबह 8.20 बजे कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय ककडारी का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रार्थना स्थल पर केवल एक शिक्षक की मौजूदगी में प्रार्थना कराई जा रही थी, जबकि अन्य शिक्षक कक्षों में बैठे पाए गए। शिक्षामित्र रजनी बिना किसी सूचना के अनुपस्थित मिलीं। विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति भी मात्र 25 रही। विद्यालय का भौतिक परिवेश असंतोषजनक पाए जाने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण तलब किया गया। सुबह 8.35 बजे उच्च प्राथमिक विद्यालय बम्हौरीसर के निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक स्मिता तिवारी उपस्थित मिलीं और बच्चे प्रार्थना करते पाए गए। इसके बाद सुबह 8.40 बजे पीएमश्री विद्यालय प्राथमिक स्तर बम्हौरीसर का निरीक्षण किया गया। यहां बच्चों को योगाभ्यास कराया जा रहा था। बच्चों की उपस्थिति संतोषजनक रही और विद्यार्थी गणवेश में मिले।

लालबाग के राजा की तर्ज पर कटरा बाजार में विराजेंगे गणपति

समय जगत, ललितपुर। गणेश महोत्सव को लेकर नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक तैयारियां जोर पकडने लगी हैं। मूर्तिकार दिन-रात भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। नगर में करीब 84 स्थानों पर गणपति बप्पा की प्रतिमाएं स्थापित किए जाने की तैयारी है, वहीं घर-घर भी प्रथम पूज्य भगवान गणेश का स्वागत किया जाएगा। इसी क्रम में शहर के कटरा बाजार में इस वर्ष भी मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा की तर्ज पर गणपति बप्पा की भव्य प्रतिमा विराजमान होगी। कटरा बाजार में गणेश उत्सव की यह परंपरा करीब 41 वर्ष पुरानी है। वर्ष 1986 में शुरू हुई गणेश प्रतिमा स्थापना की परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। गणेश महोत्सव के दौरान कटरा बाजार की झांकी जिलेभर के श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहती है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन करते हैं और मनोकामना पूर्ति की आस्था के साथ पूजा-अर्चना करते हैं।

मुंबई का गणेश महोत्सव देखकर आया था विचार: आयोजकों के अनुसार कटरा बाजार निवासी रामस्वरूप दाऊ मुंबई गए थे। वहां उन्होंने गणेश महोत्सव का भव्य आयोजन और गणपति प्रतिमाओं की सजावट देखी। इससे प्रभावित होकर उन्होंने अपने साथी पुत्तन सोनी, चंद्रभान और मथुरा प्रसाद सोनी के साथ कटरा बाजार में भी गणेश प्रतिमा स्थापित करने की इच्छा जताई। उस समय ललितपुर में गणेश प्रतिमाओं का निर्माण व्यापक रूप से नहीं होता था। ऐसे में ज्वैलर्स और पहलवान के नाम से प्रसिद्ध राम सोनी ने गणेश प्रतिमा बनाने की जिम्मेदारी उठाई। उन्होंने पहली बार आकर्षक और विशाल मिट्टी की गणेश प्रतिमा तैयार की, जो लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी। इसके बाद उन्होंने चारा और घास आदि का प्रयोग कर भी गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया। धीरे-धीरे कटरा बाजार का गणेश उत्सव एक प्रमुख धार्मिक आयोजन के रूप में पहचान बनाने लगा।

चार वर्षों से लालबाग के राजा की तर्ज पर स्थापना : आयोजकों के मुताबिक पिछले चार वर्षों से कटरा बाजार में मुंबई के लालबाग के राजा की तर्ज पर गणपति बप्पा की भव्य प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस बार की गणेश प्रतिमा मुंबई से तीन दिन पहले मंगाई गई है। प्रतिमा को आकर्षक रूप देने के लिए विशेष रूप से चांदी के आभूषण तैयार कराए गए हैं। भगवान गणेश को चांदी का मुकुट, आशीर्वाद मुद्रा वाला चांदी का हाथ का पंजा, चांदी के कड़े और चांदी के पैर पहनाए जाएंगे। इन विशेष आभूषणों से गणपति बप्पा की भव्यता और बढ़ेगी। झांकी को भी आकर्षक रूप देने के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

डोल ग्यारस पर विमानों की महाआरती बनेगी मुख्य आकर्षण : कटरा बाजार की गणेश झांकी में डोल ग्यारस का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। डोल ग्यारस पर नगर के विभिन्न मंदिरों से भगवान के विमान सुम्मेरा तालाब पहुंचते हैं। यहां विमानों में विराजमान भगवान बांके बिहारीजी का गंगाजल से विहार कराया जाता है। इसके बाद वापस लौटते समय नगर के विमान कटरा बाजार स्थित गणेश झांकी पर पहुंचते हैं। यहां भगवान गणेश की आरती के साथ भगवान बांके बिहारीजी का भव्य पूजन और महाआरती की जाती है। इस धार्मिक आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटरा बाजार पहुंचते हैं। बताया जाता है कि पहले डोल ग्यारस के विमान गणेश झांकी पर नहीं आते थे। गणेश महोत्सव समिति के आग्रह के बाद यह परंपरा शुरू हुई, जो अब गणेश उत्सव का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

रात्रि में भी पंडाल की रहेगी व्यवस्था : गणेश झांकी पर प्रतिदिन रात्रि में 10 से 15 लोगों का दल रुककर व्यवस्था संभालेगा। सुबह और शाम श्रीगणेश पंडाल में विधि-विधान से पूजन और भव्य महाआरती होगी। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों और पदाधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सराफा व्यापार संगठन की अध्यक्ष मज्जू सोनी ने बताया कि गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। मुंबई की तर्ज पर गणपति बप्पा की भव्य प्रतिमा स्थापित कर श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के साथ धार्मिक परंपरा को भी निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

यह लोग संभाल रहे आयोजन की जिम्मेदारी

कटरा बाजार गणेश उत्सव की तैयारियों में मज्जू सोनी, देवेंद्र सोनी, गिरीश पाठक सोनू, राम पहलवान, लक्ष्मीनारायण सोनी, राजू सोनी, नवल किशोर सोनी, श्रीकांत करौलिया और वीरू सोनी सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। समिति सदस्यों का कहना है कि चार दशक से अधिक पुरानी इस परंपरा को आगे भी पूरी श्रद्धा, भव्यता और उत्साह के साथ जारी रखा जाएगा।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक जनपद में व्यापक रूप से आयोजित होगा 'सेवा संकल्प अभियान'

समय जगत हमीरपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद हमीरपुर में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का व्यापक आयोजन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जनसामान्य को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ते हुए पात्र लाभार्थियों को अधिकतम लाभ उपलब्ध कराना, जनभागीदारी को बढ़ावा देना तथा सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है।इस सम्बन्ध में विकास भवन सभागार कुछेछा में मुख्य विकास अधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में अभियान को सफल, समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। अभियान के अंतर्गत निर्धारित 13 प्रमुख कार्यक्रमों के लिए कार्यक्रमवार नोडल एवं सहयोगी अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। उपायुक्त (श्रम रोजगार) को अभियान का प्रभारी तथा जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को सह-प्रभारी नामित किया गया है

अभियान का शुभारंभ 17 सितम्बर को 'सेवा दिवस' के रूप में किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में अस्पतालों में फल एवं टूलकिट वितरण, रक्तदान शिविर तथा सरकारी एवं सार्वजनिक भवनों, चिकित्सा संस्थानों, तीर्थ स्थलों, अन्नपूर्णा भवनों एवं अमृत सरोवरों पर दीप प्रज्वलन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 'चित्र सेवा' कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक

विद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर चित्रकला, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ब्लॉक एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसी प्रकार 'अनकही नमो सेवा' के माध्यम से 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर आधारित रिकॉर्डेड ऑडियो एवं कहानियों के माध्यम से ग्राम पंचायतों तथा सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन कराया जाएगा। आंगन मिलन सेवा' के अंतर्गत 25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय उत्सव आयोजित होंगे। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं एवं उत्कृष्ट माताओं का सम्मान, हेल्दी बेबी प्रतियोगिता तथा बच्चों को आवश्यक सामग्री एवं अतिरिक्त पोषाहार का वितरण किया जाएगा 'सेवा कहानी' डिजिटल रील अभियान के माध्यम से सरकारी योजनाओं एवं अवस्थापना परियोजनाओं से लाभान्वित लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को 60 सेकंड की डिजिटल रील्स के माध्यम से प्रदर्शित एवं प्रसारित किया जाएगा। सेवा ज्योति कलश यात्रा' के अंतर्गत 07 अक्टूबर को जनपद के मुख्य चौराहे पर सेवा कलश की स्थापना, रैलियों का आगमन, मा0 प्रधानमंत्री जी के संबोधन का सजीव प्रसारण तथा 'विकसित भारत-2047' के सामूहिक संकल्प का आयोजन किया जाएगा। वडनगर से वाराणसी यात्रा' के जनपद से गुजरने के दौरान विभिन्न स्थानों पर चौपालों का आयोजन किया जाएगा तथा एलईडी वाहनों के माध्यम से विकास यात्रा पर आधारित फिल्म प्रदर्शन एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का प्रमुख कार्यक्रम 'सेवा मेरा योगदान' होगा।

महोबा और चरखारी नगर पालिकाओं में बाबुओं की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

लाखों के हिसाब-किताब पर चर्चा, फाइलों से भुगतान तक पारदर्शिता की परीक्षा

महोबा/चरखारी। नगर पालिका परिषद महोबा और नगर पालिका परिषद चरखारी में कार्यालयी कार्यों से जुड़े कुछ बाबुओं की भूमिका को लेकर स्थानीय स्तर पर लगातार चर्चाएं सामने आ रही हैं। विकास कार्यों, बिलों, भुगतान, फाइलों के निस्तारण और कार्यालयी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की चर्चाओं ने नगर निकायों की कार्यप्रणाली और वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोपों की वास्तविकता जांच का विषय है, लेकिन जिस तरह लाखों रुपये के बजट से जुड़े मामलों को लेकर सवाल उठ रहे हैं, उससे जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था भी कठघरे में है। जनता के पैसे से संचालित नगर पालिकाओं में प्रत्येक भुगतान और प्रत्येक कार्य का रिकॉर्ड स्पष्ट होना जरूरी है।

फाइलों पर किसका प्रभाव?: क्या महत्वपूर्ण विकास कार्यों और भुगतान से संबंधित फाइलों के निस्तारण में कुछ कर्मचारियों का जरूरत से अधिक प्रभाव बना हुआ है? यदि ऐसा नहीं है तो फाइलों की पूरी प्रक्रिया और जिम्मेदारी स्पष्ट क्यों नहीं की जाती

लाखों रुपये के भुगतान का सत्यापन कैसे: क्या भुगतान से पहले कार्य की वास्तविक स्थिति, बिल-वाउचर, माप पुस्तिका, स्वीकृति और अन्य जरूरी अभिलेखों का विधिवत सत्यापन किया जाता है?

नियमों और शासनादेशों का पालन कितना: नगर पालिका में होने वाले प्रत्येक भुगतान और खरीद प्रक्रिया में शासनादेशों तथा निर्धारित

वित्तीय नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी नियमित जांच कौन करता है?

बाबुओं की जिम्मेदारी तय क्यों नहीं: यदि किसी कर्मचारी की भूमिका केवल पत्रावली तैयार करने तक सीमित है तो भुगतान प्रक्रिया में उसकी वास्तविक जिम्मेदारी क्या है? और यदि कहीं गड़बड़ी सामने आती है तो जिम्मेदारी किस अधिकारी या कर्मचारी की तय होती है?

अधिकारियों की निगरानी पर सवाल: नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और अन्य जिम्मेदार अधिकारी वित्तीय कार्यों की निगरानी किस स्तर पर करते हैं? क्या नियमित रूप से अभिलेखों और भुगतान की समीक्षा की जाती है?

पुराने भुगतान की हो जांच: क्या पिछले वर्षों में हुए महत्वपूर्ण भुगतान, निर्माण कार्यों और खरीद संबंधी फाइलों का स्वतंत्र ऑडिट कराया जा सकता है? मौके पर जाकर यह सत्यापन भी होना चाहिए कि जिस कार्य के लिए भुगतान हुआ, वह वास्तव में धरातल पर हुआ या नहीं।

शिकायत सही तो कार्रवाई, गलत तो स्थिति साफ: *यदि लगाए जा रहे आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि आरोप निराधार हैं तो संबंधित अधिकारी दस्तावेजों के आधार पर पूरी स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं। नगर पालिका का बजट किसी व्यक्ति या कर्मचारी की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि जनता के धन और सरकारी संसाधनों से जुड़ा होता है। इसलिए करोड़ों और लाखों रुपये के खर्च से जुड़े प्रत्येक मामले में पारदर्शिता, जवाबदेही और रिकॉर्ड की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसके शहर के विकास के लिए स्वीकृत धन कहां और किस मद में खर्च हुआ। अब सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन और नगर निकाय के जिम्मेदार अधिकारियों से है-क्या महोबा और चरखारी नगर पालिका में उठ रहे इन सवालों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी? क्या भुगतान की फाइलों का ऑडिट होगा? क्या मौके पर विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा? और यदि अनियमितता मिली तो जिम्मेदारी तय होगी?

फिलहाल सवाल सिर्फ बाबुओं की भूमिका का नहीं, बल्कि पूरी निगरानी व्यवस्था की जवाबदेही का है। यदि व्यवस्था पारदर्शी है तो जांच से सच्चाई सामने आने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

घर में सो रहे व्यक्ति की गला रेतकर हत्या, फॉरेंसिक व डॉग स्क्वायड ने जुटाए साक्ष्य

समय जगत हमीरपुर। मुस्करा थाना क्षेत्र के बिहूनी गांव में गुरुवार देर रात घर में सो रहे अधेड़ की अज्ञात लोगों ने गला रेतकर हत्या कर दी। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी होते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी राठ सहित स्थानीय पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचा। टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। बिहूनी गांव निवासी ठाकुरदास अहिरवार (65) पुत्र काशीप्रसाद घर के बाहर बने कमरे में सो रहे थे। परिजनों के अनुसार रात करीब 12 बजे उनकी आठ वर्षीय नातिन अनीता मोबाइल चार्ज करने के लिए बाहर वाले कमरे में गई थी। कमरे में खून फैला देखकर वह चीखते हुए अंदर आई और परिजनों को जानकारी दी। नरेश ने कमरे में जाकर देखा तो ठाकुरदास की हत्या हो चुकी थी मृतक के बड़े बेटे इन्दल (35) अपनी मां कुसमा रानी और दो बेटियों के साथ चित्रकूट गए हुए थे। घटना की जानकारी उनकी पत्नी राधा ने फोन कर उन्हें दी। इसके बाद नरेश ने पड़ोसियों और परिजनों को सूचना दी। बिहूनी खुर्द के पूर्व प्रधान मुन्ना को करीब 2:20 बजे घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर और सीओ राठ राजीव प्रताप सिंह के साथ फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में हुई जिले के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

महोबा। राज्यमंत्री श्रम एवं सेवायोजन उत्तर प्रदेश सरकार मनोहर लाल पंथ (मन्नू कोरी) की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिले के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक मे प्रभारी मंत्री ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहां की लंबित विकास कार्यों को तेज गति से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम दिनांक 17 सितंबर से आयोजित किए जाने को सफलतापूर्वक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए।उन्होंने पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीच की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि किसानों को खाद की किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए तथा पर्यटन विभाग द्वारा संचालित परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश जिला पर्यटन अधिकारी को दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना का सर्वे का कार्य शीघ्र सत्यापन के साथ पूर्ण कराए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने नवंबर 2026 तक ग्रामीण स्टेडियम का निर्माण कार्य शीघ्र कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप पात्र लाभार्थियों की कन्याओं की शादी कराकर लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने डग्गामार वाहनों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने एवं ओवरलोड वाहन की चेकिंग कराई जाने एवं कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सोलर लाइट योजना की समीक्षा की एवं ब्लॉक स्तर पर कैम्प लगाये जाने के निर्देश दिए।उन्होने खराब विद्युत ट्रान्सफार्मरों को शहरी क्षेत्र में 24 घंटे के अन्दर एवं ग्रामीण क्षेत्र में 48 घंटे के अंदर बदले जाने के निर्देश दिए।उन्होने अधिक आने वाले विद्युत बिलों के सुधार करने तथा निर्धारित अवधि में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।कृषि विभाग के अर्न्तगत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक किसानों को बीमित कराये जाने के पश्चात फसल बीमा का लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिए।स्वास्थ्य विभाग की जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों का समय से भुगतान कराये जाने एवं बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए।

उन्होनें लोक निर्माण विभाग द्वारा नई सड़कों के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।उन्होनें चरखारी-मुस्करा रोड एवं गौरहारी सड़क की मरम्मत शीघ्र कराये जाने के निर्देश दिए।उन्होनें जल निगम द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जलापूर्ति गांवों में सुनिश्चित करने तथा खोदी गयी सड़कों को तत्काल मरम्मत कराये जाने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

आगामी गणेश चतुर्थी के दृष्टिगत पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

समय जगत, महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देशन में आगामी गणेश चतुर्थी पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी नगर श्री रविकांत गौंड द्वारा थाना कोतवाली नगर तथा क्षेत्राधिकारी चरखारी श्री दीपक दुबे द्वारा थाना चरखारी एवं थाना श्रीनगर में गणेश चतुर्थी के आयोजकों के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान गणेश चतुर्थी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने हेतु आयोजकों को शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए उनका अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। आयोजकों से अपील की गई कि मूर्ति स्थापना, पूजा-पाठ एवं विसर्जन के दौरान निर्धारित मार्ग एवं समय का पालन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की नई परंपरा प्रारम्भ न की जाए, जिससे शांति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित हो। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के निर्धारित मानकों एवं अन्य वैधानिक प्रावधानों का पालन करने तथा कार्यक्रम के दौरान पर्याप्त स्वयंसेवकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही सभी से आपसी भाईचारा, सांप्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा भ्रामक सूचना पर ध्यान न देने की अपील की गई। सोशल मीडिया पर भ्रामक/आपत्तिजनक पोस्ट अथवा संदेश प्रसारित न करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल पुलिस को सूचना देने हेतु बताया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा आयोजकों को आश्वस्त किया गया कि गणेश चतुर्थी पर्व के दौरान सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस द्वारा आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। इस अवसर पर संबंधित थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं गणेश चतुर्थी आयोजन से जुड़े आयोजकगण मौजूद रहे।पुलिस द्वारा आगामी गणेश चतुर्थी पर्व के दृष्टिगत जनपद में सतर्कता एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने हेतु आवश्यक पुलिस प्रबंध किए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर निराकरण के दिए निर्देश

महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय महोबा से गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअल जनसुनवाई आयोजित की गई। इस पहल के अंतर्गत जनपद के समस्त पुलिस अधिकारी एवं थाना प्रभारी वर्चुअल माध्यम से सीधे जुड़कर जनसमस्याओं के समाधान में सहभागी बने। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आये शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया तथा संबंधित थाना प्रभारियों से सीधे संवाद स्थापित कर प्रत्येक प्रकरण के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक महोबा द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी शिकायतों का निस्तारण पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए।

रेलवे पुल पर चढ़ा युवक, शादी की जिद पर अड़ा

बांदा। प्रेम प्रसंग को लेकर एक युवक शुक्रवार सुबह रेलवे पुल पर चढ़ गया और करीब दो घंटे तक नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। युवक अपनी प्रेमिका को मौके पर बुलाने और उससे शादी कराने की मांग पर अड़ा रहा। प्रेमिका के आने तक पुल से नहीं उतरने और आत्महत्या करने की धमकी से पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस की पहल पर प्रेमिका को मौके पर बुलवाया गया।जिसके बाद युवक पुल से नीचे उतरा।मटौंध थाना क्षेत्र के केन नदी स्थित रेलवे पुल मे शहर के चमरौडी निवासी विकास शर्मा का शहर की ही एक युवती से प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है।युवक प्रेमिका से शादी करना चाहता था,लेकिन परिवार के राजी नहीं होने से नाराज होकर शुक्रवार सुबह करीब छह बजे रेलवे पुल पर चढ़ गया। पुल पर पहुंचने के बाद उसने प्रेमिका को मौके पर बुलाने की जिद शुरू कर दी।उसके न आने पर युवक पुल से कूदकर आत्महत्या करने की धमकी देता रहा।सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कई चौकी प्रभारियों को तत्काल सक्रिय किया।भूरागढ़ चौकी प्रभारी अरविंद कुमार सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को समझाने बुझाने का प्रयास शुरू किया।पुलिस ने उसकी सुरक्षा को देखते हुए पुल के नीचे गोताखोरों और नाविकों का भी इंतजाम कराया।करीब दो घंटे तक युवक पुल पर ही डटा रहा। पुलिस लगातार उससे बातचीत कर नीचे उतरने के लिए समझाती रही, लेकिन वह प्रेमिका के आने की मांग पर अड़ा रहा। इसके बाद पुलिस ने प्रेमिका को मौके पर बुलवाया।प्रेमिका के पहुंचने के बाद युवक पुल से नीचे उतरने के लिए तैयार हुआ।पुलिस ने उसे सकुशल नीचे उतारने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया।सुबह छह बजे से शुरू हुआ घटनाक्रम करीब दो घंटे तक चला।प्रेमिका के मौके पर पहुंचने के बाद ही युवक ने पुल से नीचे उतरने पर सहमति जताई। युवक के नीचे उतरते ही पुलिस ने राहत की सांस ली। इस दौरान बड़ी संख्या में तमाशबीन भी मौके पर जुट गए थे।युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए पुलिस ने लगातार बातचीत के साथ ही पुल के नीचे गोताखोरों और नाविकों की व्यवस्था रखी।मशक्कत के बाद युवक को सकुशल नीचे उतारकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस दौरान भूरागढ़ चौकी प्रभारी अरविंद कुमार, जेल चौकी प्रभारी प्रदीप सोनी, कालवन गंज चौकी प्रभारी शुभम कौशिक मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों, नगरीय वार्डों एवं प्रमुख स्थलों पर रोपे गए पीपल, पाकड़ एवं बरगद के पौधे

समय जगत हमीरपुर। पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा पारिस्थितिक संतुलन को मजबूत करने के उद्देश्य से आज जनपद में वृहद स्तर पर हरिशंकरी पौधारोपण महाअभियान आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद की ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों के वार्डों, गौशालाओं सहित विभिन्न प्रमुख एवं सार्वजनिक स्थलों पर हरिशंकरी पौधों का व्यापक रोपण किया गया। अभियान के अंतर्गत पीपल, पाकड़ एवं बरगद के पौधों का एक साथ रोपण किया गया। जनपद में निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार 597 राजस्व गांवों, 124 नगरीय वार्डों तथा 200 गौशालाओं सहित विभिन्न स्थानों पर हरिशंकरी पौधों का रोपण किया गया। अभियान में ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, संबंधित विभागों तथा स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं आमजन की सहभागिता रही। जिलाधिकारी हमीरपुर अभिषेक गोयल द्वारा डीएम आवास एवं कलेक्ट्रेट परिसर में हरिशंकरी पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने के साथ-साथ लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल पर विशेष जोर दिया। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी हमीरपुर श्री अरुण कुमार सिंह द्वारा विकासखंड मुस्करा के ग्राम गुंदेला स्थित खेल मैदान में तथा हमीरपुर शहर स्थित गायत्री मंदिर परिसर में हरिशंकरी पौधों

का रोपण किया गया। उन्होंने पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की सुरक्षा एवं उनके नियमित संरक्षण को अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। जनपद के विभिन्न विकासखंडों में ग्राम पंचायत स्तर पर तथा सभी नगरीय निकायों के वार्डों में निर्धारित स्थलों पर हरिशंकरी पौधों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, गौशालाओं, खेल मैदानों एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर भी पौधे लगाए गए। हरिशंकरी पौधारोपण के माध्यम से पीपल, पाकड़ एवं बरगद जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण वृक्षों को संरक्षित एवं संवर्धित करने का प्रयास किया जा रहा है। इन वृक्षों के संरक्षण से पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ पक्षियों एवं अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी अनुकूल वातावरण विकसित करने में सहायता मिलेगी। जिलाधिकारी अभिषेक गोयल ने अभियान के दौरान लगाए गए पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पौधारोपण महाअभियान का लाभ दीर्घकाल तक प्राप्त हो तथा जनपद के हरित आवरण में निरंतर वृद्धि हो सके।

तीन मामलों का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

चोरों की चाल नाकाम, पुलिस का शिकंजा कामयाब

समय जगत, मनेंद्रगढ़। शहर में लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं के बीच सिटी कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग चोरी के मामलों का खुलासा किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। बरामद सामान की संबंधित प्रार्थियों से पहचान भी कराई गई।सिटी कोतवाली में आयोजित प्रेस वार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा एवं थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले ने कार्रवाई की जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, चोरी के मामलों में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 206/26, 208/26 एवं 209/26 दर्ज किए गए थे। मामलों को गंभीरता से लेते हुए आईजी सरगुजा रेंज दीपक झा एवं एसपी रत्ना सिंह ने चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने तथा क्षेत्र में पेट्रोलिंग और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।निर्देशों के तहत एएसपी अनिल विश्वकर्मा के मार्गदर्शन एवं टीआई विवेक पाटले के नेतृत्व में चार पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थलों की जांच, संदिग्धों की पतासाजी और पूछताछ के आधार पर तीन चोरी की वारदातों का खुलासा किया।

रेलवे कॉलोनी : गैराज से कॉपर वायर चोरी: रेलवे कॉलोनी निवासी गुरुदत्ता के गैराज से कॉपर वायर चोरी के मामले में पुलिस ने राकेश यादव पिता श्यामलाल, उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से करीब 10 कॉपर वायर और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल

बरामद की गई। बरामद सामान व वाहन की कुल कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है।

पेंड्रा दफाई :2 क्विंटल लोहे की छड़ पार : वार्ड क्रमांक 9 पेंड्रा दफाई निवासी हुसैन के गोदाम से करीब 2 क्विंटल लोहे की छड़ एवं कटर मशीन चोरी के मामले में पुलिस ने अरमान अंसारी पिता हामिद, उम्र 22 वर्ष तथा सुमित सिंह पिता बलराम, दोनों निवासी मौहारपारा, को गिरफ्तार किया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 2 क्विंटल लोहे की छड़, जिसकी अनुमानित कीमत 20 हजार रुपये है, बरामद की।

चनवारीडांड : एचआर इंडस्ट्रीज से मोटर पंप चोरी : चनवारीडांड निवासी हर्षित जैन के एचआर इंडस्ट्रीज परिसर से बड़ा मोटर पंप चोरी के मामले में सुभाष कुमार पिता विजय कुमार, निवासी गदबदी, बैकुंठपुर तथा ऋषि कुमार पिता ज्ञानचंद, उम्र 19 वर्ष, निवासी पेंड्रा, हाल मुकाम खेड़िया तिराहा को गिरफ्तार किया गया,दोनों के कब्जे से करीब 14 हजार रुपये कीमत का मोटर पंप बरामद किया गया।

प्रार्थियों से कराई गई सामान की पहचान : पुलिस के मुताबिक, बरामद चोरी के सामान की संबंधित प्रार्थियों से पहचान कराई गई। इसके बाद पांचों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि चोरी की अन्य घटनाओं की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और मामलों का खुलासा किया जा सकता है।

इनकी रही अहम भूमिका: कार्रवाई में निरीक्षक विवेक पाटले, उप निरीक्षक जयालक्ष्मी, पुलिस उप निरीक्षक दीपशिखा, सहायक उप निरीक्षक चेतन रजवाड़े, प्रधान आरक्षक राजकुमार सेन, प्रिंस राय, सुनील रजक, नवीन एवं राकेश, आरक्षक मो. आजाद, प्रदीप लकड़ा, प्रमित सिंह, प्रमोद यादव (साइबर सेल), अमित गुप्ता, सैनिक विनीत सोनी एवं आरक्षक टोप्पो की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समस्या बताने आए ग्रामीणों से बीच में छीना माइक, जनविश्वास शिविर से उठा जनता का विश्वास

नाराजगी के बीच एसीएस ने छोड़ा मंच

आगर मालवा। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत ग्रामीणों की समस्याएं सुनने और उनका निराकरण करने के उद्देश्य से शुक्रवार को ग्राम कराडिया में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उस समय स्थिति असहज हो गई, जब अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखने पहुंचे ग्रामीणों से बीच में ही माइक ले लिया गया। पहले ग्रामीण पीरूलाल यादव और बाद में प्रेम यादव अपनी-अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रख रहे थे। दोनों ग्रामीणों की शिकायत पूरी होने के दौरान माइक ले लिया गया। इस घटनाक्रम के बाद ग्रामीणों में नाराजगी दिखाई दी और इसी बीच एसीएस संजय दुबे मंच से चले गए। शिविर में एसीएस संजय दुबे के साथ कलेक्टर डॉ. शेरसिंह मीणा, पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, विधायक मधु गहलोत, भाजपा जिला अध्यक्ष ओम मालवीय सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका यथासंभव मौके पर निराकरण करना बताया गया था।

पीरूलाल यादव ने रखीं गांव की मूलभूत समस्याएं: शिविर में ग्रामीण पीरूलाल यादव ने माइक लेकर अपनी बात अधिकारियों के सामने रखनी शुरू की। उन्होंने गांव में शौचालय की समस्या के साथ सड़क, नाली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। पीरूलाल अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष बता ही रहे थे कि इसी दौरान उनसे माइक ले लिया गया। इससे मौके पर मौजूद ग्रामीणों के बीच नाराजगी का माहौल दिखाई दिया।

बिजली की शिकायत लेकर पहुंचे प्रेम यादव: इसके बाद ग्रामीण प्रेम यादव ने बिजली से संबंधित अपनी समस्या अधिकारियों के समक्ष रखना शुरू किया। वे अपनी बात रख रहे थे, इसी दौरान उनका भी माइक ले लिया गया। एक के बाद एक दो ग्रामीणों से माइक लिए जाने के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों की नाराजगी और स्पष्ट दिखाई देने लगी। शिविर में कुछ समय के लिए माहौल असहज हो गया।

ग्रामीणों की नाराजगी के बीच एसीएस ने छोड़ा मंच: ग्रामीणों की नाराजगी के बीच एसीएस संजय दुबे कार्यक्रम के दौरान ही मंच से चले गए। इसके बाद शिविर की कार्यवाही आगे जारी रही।

जनविश्वास शिविर की व्यवस्था पर उठे सवाल: जनविश्वास अभियान के तहत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और संबंधित विभागों के माध्यम से उनका समाधान करना है। ऐसे में शिकायत रखने के दौरान ग्रामीणों से माइक लिए जाने की स्थिति ने शिविर की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याएं सड़क, नाली, शौचालय और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी हैं। ऐसे मामलों में ग्रामीणों की शिकायत सुनकर संबंधित विभाग को कार्रवाई के निर्देश देना शिविर की मूल भावना मानी जाती है। कराडिया के घटनाक्रम के बाद अब सवाल यह है कि जनसमस्या निवारण के लिए आयोजित शिविर में क्या शिकायतकर्ता को अपनी बात पूरी और स्पष्ट रूप से रखने का पर्याप्त अवसर मिला? साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि पीरूलाल यादव, प्रेम यादव और अन्य ग्रामीणों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर प्रशासन की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है और उनका समाधान कब तक होता है। क्योंकि जनविश्वास केवल शिविर आयोजित करने से नहीं, बल्कि जनता की बात सुनने और उसकी समस्या के समाधान से कायम होता है।

मिलावटखोरों पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

जुलाई से अब तक 11 खाद्य कारोबारकर्ताओं पर 1.80 लाख रुपये का अर्थदंड

सिवनी। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। जुलाई 2026 से अब तक अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा 11 खाद्य कारोबारकर्ताओं पर कुल 1.80 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसके साथ ही दूध एवं विभिन्न खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दूध विक्रेताओं, डेयरी यूनिटों एवं विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया एवं स्वच्छता की स्थिति की जांच की जा रही है। इसी क्रम में 08 सितंबर 2026 को अभिहित अधिकारी डॉ. पंकज दुबे द्वारा इंडियन कॉफी हाउस की किचिन एवं भोजन निर्माण में उपयोग की जा रही खाद्य सामग्री का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान द्वारा की जा रही सुधारात्मक कार्यवाही पर संतुष्टि व्यक्त की गई। इसी दिन कहानी स्थित सोनू दूध डेयरी, घंसौर से भैंस के दूध

का नमूना लिया गया। बालाजी होटल से नमकीन, सेव पोहा एवं मैदा के नमूने भी जांच के लिए लिए गए।

09 सितंबर 2026 को आर.वी. दूध संकलन केंद्र, अरी में रैपिड टेस्टिंग किट की सहायता से दूध के नमूनों का मौके पर ही परीक्षण किया गया। परीक्षण में दूध मानक स्तर का पाया गया। इसके अतिरिक्त अरी-बरघाट स्थित आशीष किराना से पान पराग पान मसाला, पटेल किराना स्टोर से मूंगफली एवं मिक्स नमकीन तथा नीरज किराना स्टोर से सूजी एवं तुअर दाल के नमूने लिए गए। इन नमूनों को विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जाएगा। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई के क्रम में जुलाई 2026 से अब तक अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा 11 खाद्य कारोबारकर्ताओं पर कुल 1.80 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इनमें साई प्रसाद टाइगर रिसोर्ट पर अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण किए जाने पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

हीरालाल सूर्यवंशी, भटेखारी किराना स्टोर तथा पवन शिवहरे, धूमा द्वारा बिना पंजीयन खाद्य कारोबार किए जाने पर दोनों पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। मनोहर अमृत तुल्य चाय, सिवनी पर अवमानक खाद्य सामग्री के विक्रय के मामले में 10 हजार रुपये तथा अभिषेक बघेल द्वारा गुटखा विक्रय किए जाने पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। इसी प्रकार किशोरी लाल यादव, दूध विक्रेता, पुनवारा लखनादौन पर 15 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सिवनी ने बताया कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की जा रही है। दूध एवं दुग्ध उत्पादों की जांच के लिए रैपिड टेस्टिंग किट से मौके पर परीक्षण के साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में भी जांच कराई जा रही है। खाद्य पदार्थों में मिलावट, अवमानक सामग्री के विक्रय, अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य निर्माण तथा बिना पंजीयन खाद्य कारोबार करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

भाजपा जिला बैठक संपन्न कल आएंगे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

आगर मालवा। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, विधायक मधु गेहलोत, गोविंद सिंह बरखेडी, चिंतामण राठौर, बाबुलाल यादव, भैरुसिंह चौहान आदि मंचासीन उपस्थित थे। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 13 सितंबर को आगर आ रहे हैं। जो मुख्यमंत्री लाडली बहिनें का सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जिले के प्रस्तावित प्रवास को लेकर जनप्रतिनिधि, मोर्चा जिलाध्यक्षों, मंडल प्रभारियों, मंडल अध्यक्षों एवं सभी जिला पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री यादव के आगमन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिनेश परमार, साक्षी सकलेचा, मोहनलाल कटारा, प्रवेश गुप्ता, सहित जिला पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष गण उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी महेश शर्मा तनोडिया ने दी।

हाईवे व ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल चोरी पर पुलिस का शिकंजा

तीन आरोपी गिरफ्तार, 410 लीटर डीजल सहित चोरी में प्रयुक्त सामग्री जब्त

मंडला। जिले में हाईवे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मंडला पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में थाना कोतवाली एवं थाना नैनपुर पुलिस ने डीजल चोरी के अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान करीब 410 लीटर डीजल, आठ केन, मोटरसाइकिल एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है।

कोतवाली पुलिस ने 410 लीटर डीजल किया बरामद: हाईवे पर डीजल चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस ने आयुष यादव (18), निवासी पिपरपानी तथा कान्हा भावरे (19), निवासी पिपरपानी, दोनों थाना महाराजपुर क्षेत्र को गिरफ्तार किया। पूछताछ एवं विवेचना के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 410 लीटर चोरी का डीजल, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 45 हजार रुपये है, नीले रंग की आठ केनों में बरामद कर जब्त किया गया। मामले में अन्य आरोपी के संबंध में जानकारी जुटाकर उसकी तलाश एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर से डीजल चोरी के प्रयास में आरोपी गिरफ्तार: इधर, थाना नैनपुर पुलिस ने ग्राम बन्धा में ट्रैक्टर से डीजल चोरी के प्रयास के मामले में दुर्गेश कुमार (22), निवासी ग्राम छिछरी, थाना खटिया को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध थाना नैनपुर के अन्य प्रकरण में गिरफ्तारी वारंट भी लंबित था। आरोपी के कब्जे से मोटरसाइकिल एवं 20 लीटर की तेल की केन जब्त की गई। शिकायतकर्ता हरिशचंद पटेल की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना की गई। आरोपी को 10 सितंबर को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका: कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान, थाना प्रभारी नैनपुर निरीक्षक मंशाराम वगेन, सहायक उप निरीक्षक माया राम धुर्वे, जगदीश सेयाम, भूमेश्वर वामनकर, प्रधान आरक्षक श्यामलाल, राजन मरावी तथा आरक्षक रमेश, प्रियांश एवं मृदुल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सार-समाचार

267 करोड़ के मेडिकल कॉलेज की धीमी रफ्तार पर मुख्य सचिव मुख्य सचिव ने दिए कार्य में तेजी के निर्देश

समय जगत, धार। धार में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के काम की धीमी गति पर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के तहत मेडिकल कॉलेज निर्माण स्थल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्य की प्रगति और पूरी कार्ययोजना की जानकारी ली। निर्माण कार्य अपेक्षित गति से शुरू नहीं होने पर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को काम में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में परियोजना पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जाए।अ गौरतलब है कि 25 एकड़ भूमि पर करीब 267 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर का निर्माण किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज परिसर को पांच ब्लॉकों में विकसित किया जाएगा। इसमें छह मंजिला कॉलेज भवन, सात मंजिला अस्पताल तथा नौ मंजिला हॉस्टल एवं स्टाफ क्वार्टर का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित हों, ताकि धार के मेडिकल कॉलेज की यह महत्वपूर्ण परियोजना समय-सीमा में पूरी हो सके।

शिक्षकों की अनूठी पहल, स्थानीय बच्चों को भेंट की रेंजर साइकिल

समय जगत, सिलवानी। विकास खंड सिलवानी संकुल (कस्बा बम्होरी) के ग्राम प्रतापगढ़ माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षकों ने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए ग्राम के स्थानीय बच्चों को साइकिल चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उद्देश्य से एक रेंजर साइकिल भेंट की। शिक्षकों ने बताया कि प्रदेश सरकार की साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत विद्यालय में अध्ययनरत उन विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की जाती है, जो अन्य ग्रामों से विद्यालय आते हैं। वहीं, स्थानीय ग्राम के विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाता। इसी कमी को ध्यान में रखते हुए विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सामूहिक सहयोग से एक रेंजर साइकिल खरीदकर ग्राम के बच्चों को भेंट की, ताकि वे भी साइकिल चलाना सीख सकें और भविष्य में इस कौशल का लाभ उठा सकें। शिक्षकों की इस सराहनीय पहल की ग्रामवासियों एवं अभिभावकों ने प्रशंसा करते हुए इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रेरणादायी कदम बताया।

पंचायतों में गंभीर गड़बड़ी पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

मुरैना। जिले में पंचायतों में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, वित्तीय अनियमितता, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की कमी एवं शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामलों में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देश पर जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर 5 पंचायत सचिवों को निलंबित किया गया है। इसके साथ ही पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं उपयंत्री सहित अन्य संबंधितों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त जांच एवं प्रतिवेदनों में ग्राम पंचायत इमलिया, शहदपुर, अगरोता, रंछोरपुरा, भदावली, बर्रेण्ड, ऐसाह एवं टिकटोली दूमदार सहित अन्य पंचायतों में अनियमितताएं सामने आने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई है। कार्रवाई का उद्देश्य पंचायतों में वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। ग्राम पंचायत इमलिया में मृतक के जॉब कार्ड एवं पारिवारिक सदस्यों की पुष्टि किए बिना राशि का भुगतान किए जाने की वित्तीय अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन ग्राम रोजगार सहायक श्रीमती मधु रामपुरे तथा ग्राम रोजगार सहायक एवं प्रभारी पंचायत सचिव आदिराम मावई को शासकीय कार्य से विरत किया गया है। इसी प्रकरण में सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी राकेश बघेल के विरुद्ध अनियमित भुगतान एवं अपूर्ण निर्माण कार्यों के संबंध में मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 40 के तहत कार्रवाई की गई है। ग्राम पंचायत शहदपुर में मृत व्यक्ति के जॉब कार्ड पर डिमांड डालने, निर्माण कार्यों में अनियमितता तथा निर्माण कार्यों के नाम पर राशि आहरण के आरोप में ग्राम रोजगार सहायक श्री विनोद कुमार को शासकीय कार्य से विरत किया गया है। ग्राम पंचायत बर्रेण्ड एवं वर्तमान ग्राम पंचायत हुसेनपुर में बिना निर्माण कार्य कराए राशि आहरण किए जाने के मामले में तत्कालीन पंचायत सचिव महेश चन्द्र जाटव को निलंबित किया गया है।

सख्त ऐक्शन के तहत 5 पंचायत सचिव निलंबित

मुरैना पुलिस की बड़ी सफलता, सीईआईआर पोर्टल की मदद से 401 गुम मोबाइल बरामद

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन की मंशानुरूप और माननीय मुख्यमंत्री महोदय के 'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान' के तहत मुरैना पुलिस ने जनहित में एक बेहद सराहनीय और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के मार्गदर्शन में साइबर सेल और जिले के विभिन्न थानों की संयुक्त टीम ने पिछले 4 महीनों में कड़े प्रयास करते हुए 401 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। इन बरामद किए गए मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 95 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिलेभर से प्राप्त गुम मोबाइल आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल और थाना टीमों ने ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल का प्रभावी उपयोग किया। तकनीकी दक्षता और सटीक स्थानीय आसूचना के आधार पर मुरैना के अलावा ग्वालियर, धौलपुर, आगरा, गुना, शिवपुरी व अन्य क्षेत्रों से इन मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया। बरामद किए गए मोबाइलों को मुरैना पुलिस कंट्रोल रूम में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उनके वास्तविक धारकों को विधिवत सत्यापन के बाद वापस सौंपा गया। अपनी खोई हुई संपत्ति वापस मिलने पर छात्र-छात्राओं, मजदूरों, किसानों, निजी क्षेत्र के कर्मचारियों और गृहणियों सहित विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पुलिस महानिदेशक और मुरैना पुलिस के प्रति गहरा आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

पुलिस ने जुए के फड पर मारा छापा, पांच जुआरी गिरफ्तार

मुरैना। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा के निर्देश पर जिले में जुआरियों और सटोरियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जौरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जुए के फड़ पर छापा मारकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से करीब 21,000 नकद और ताश की एक गड्डी जब्त की गई। पुलिस के अनुसार 10 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के सांकरा चौराहे के पास एक खेत में बड़े स्तर पर जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 399/26 के तहत जुआ एक्ट की धारा 13 में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पंकज यादव सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में 2 लाख कीमत की 2 भैंसें की गईं बरामद

पुलिस ने किया पशु चोरी की घटना का खुलासा

समय जगत, मुरैना। जिले में चोरी, नकबजनी और पशुधन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुरैना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीना के निर्देशन में थाना सिविल लाईन पुलिस ने चोरी गए पशुधन को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 20 सितंबर 2025 को फरियादी ऋषिकेश सिंह पुत्र रमेशचन्द्र प्रजापति ने थाना सिविल लाईन में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर के पीछे बने बाड़े में बंधी भैंसों को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्र. 413/25 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया था। पुलिस की सतत् एवं प्रभावी कार्रवाई के फलस्वरूप दिनांक 11 सितंबर 2026 को थाना सिविल लाईन पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने धनेला गांव के पास जंगल से चोरी की गई 2 भैंसें (कीमती करीब दो लाख) बरामद कर लीं और उन्हें फरियादी के सुपुर्द कर दिया। इस प्रकरण में वांछित अन्य आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के लिए पुलिस के प्रयास जारी हैं।

जब्त मसरूका का विवरण: प्रकरण क्रमांक 413/25 धारा 303(2) बीएनएस के तहत थाना सिविल लाईन क्षेत्र से कुल 02 भैंसें (कीमती लगभग 2 लाख) बरामद की गई।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

समय जगत, लटेरी। पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम यातायात व्यवस्था सुधारने और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लेटेरी आरी घाटी के पास में सघन चेकिंग अभियान चलाया, प्रभारी महोदय एवं थाना स्टाफ द्वारा शासन-प्रशासन के दिशा-निर्देशों के पालन में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु समझाइश दी गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले मोटर वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। वाहन चेकिंग के दौरान कुल 24 चालान बनाए गए। चालानों से समन शुल्क 7600 रु. प्राप्त किया गया। वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट एवं अन्य यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने हेतु जागरूक किया गया।

सार-समाचार

पोला उत्सव देखने माता मंदिर में उमड़ा अपार जनसैलाब

समय जगत, आमला। सोमवारी चौक स्थित प्रसिद्ध माता मंदिर आमला में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पारंपरिक उत्सव पोला पर्व धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में किसान अपने बैलों को सजा-संवार कर यहां लेकर पहुँचे थे। गौरतलब है कि इस मौके पर माता मंदिर समिति आमला, नगर पालिका परिषद आमला एवं भारतीय किसान संघ आमला के संयुक्त तत्वावधान में तोरण प्रतियोगिता एवं उपहार वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ ग्राम पटेल वामन राव अम्बलेकर ने अपने परिजनों के साथ गौ-पूजा कर किया। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, नगर पालिका अध्यक्ष आमला नितिन गाडरे, पूर्व पार्षद विजय अतुलकर ने भी गौ-पूजन कर किसान भाइयों को पोला पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर तोरण तोड़ने वाले किसान को पार्षद खुशबू विजय अतुलकर के सौजन्य से 2100 रुपये नगद राशि का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष अजय सिंह सोलंकी, पूर्व पार्षद विजय अतुलकर ने ग्राम पटेल वामन राव अम्बलेकर का शाल-श्रीफल भेंट कर स्वागत किया एवं उनके परिवार द्वारा जनहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। वहीं समिति द्वारा कृषकों की बैल जोड़ी का चयन उपरांत उन्हें क्रमशः पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी, पत्रकारगण और नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार माता मंदिर समिति अध्यक्ष मदन साहू ने व्यक्त किया।

धार में बैंक हड़ताल से थमा कामकाज, मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे कर्मचारी

धार, समय जगत। देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल का असर शुक्रवार को धार में भी देखने को मिला। बैंक शाखाओं में कामकाज ठप रहा, जिससे बैंकिंग कार्यों के लिए पहुंचे ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई शाखाओं के मुख्य द्वार बंद रहे और ग्राहक बैंक के बाहर से ही वापस लौटते नजर आए। हड़ताल के दौरान बैंक कर्मचारी और अधिकारियों ने रैली निकालकर अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर यूनियनों और बैंक प्रबंधन के बीच बातचीत के बावजूद अपेक्षित समाधान नहीं निकल सका, जिसके बाद हड़ताल का निर्णय लिया गया। हड़ताल का आह्वान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यानी बैंक यूनियनों का संयुक्त मंच की ओर से किया गया। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना, पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, पेंशन से जुड़े मुद्दों का समाधान और अन्य लंबित मांगों पर निर्णय शामिल हैं। इसके अलावा पीएलआई यानी प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन व्यवस्था में बदलाव, एनपीएस यानी नई पेंशन व्यवस्था से ओपीएस यानी पुरानी पेंशन व्यवस्था की ओर बदलाव, ग्रेच्युटी की सीमा बढ़ाने और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के मेडिकल इंश्योरेंस जैसे मुद्दे भी मांगों में शामिल हैं। बैंक शाखाओं के बंद रहने से नकद जमा-निकासी, चेक संबंधी कार्य और अन्य शाखा आधारित सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि डिजिटल बैंकिंग के चलते एटीएम, यूपीआई, इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग के जरिए कई सामान्य लेनदेन जारी रहे। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगें सिर्फ कर्मचारियों के अधिकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था को बेहतर बनाने और पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने से भी जुड़ी हैं। अब हड़ताल के बाद सरकार, बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संगठनों के बीच होने वाली आगामी बातचीत पर सभी की नजर रहेगी। सवाल यही है कि बातचीत के जरिए लंबित मांगों का समाधान निकलता है या आने वाले दिनों में बैंक कर्मचारियों का आंदोलन और तेज होता है।

हिंदी प्रतिभाओं को मिलेगा मंच, जिला स्तरीय प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता आज

समय जगत, हरदा। मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता का आयोजन आज किसान भवन, हरदा में किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रातः 11 बजे होगा, जिसमें जिलेभर के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। कार्यक्रम की संयोजक सुश्री अंजू भायरे ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देना तथा उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना है। सह-संयोजक सुश्री स्वाति गुरु ने बताया कि प्रतियोगिता में हरदा, टिमरनी एवं खिरकिया क्षेत्र के विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में मौलिक चिंतन, संवाद कौशल एवं सकारात्मक अभिव्यक्ति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता के उपरांत शाम 4 बजे पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी प्रकाश जांगरे, अध्यक्ष जिला इकाई करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि हिंदी सेवी पत्रकार अजय जैन (विदिशा) होंगे।

नर्मदापुरम में विशेष अभियंता सम्मान समारोह किया गया आयोजित

समय जगत, नर्मदापुरम। समय जगत समूह द्वारा हर वर्ष इंजीनियर्स डे (अभियंता दिवस) के अवसर पर तकनीकी क्षेत्र से जुड़े दिग्गजों का विशेष सम्मान किया जाता है। इसी परंपरा के तहत नर्मदापुरम में एक गरिमामयी समारोह आयोजित कर क्षेत्र के विकास में अहम योगदान देने वाले प्रबुद्ध इंजीनियरों को सम्मानित किया गया। इस विशेष आयोजन के दौरान सभी सम्मानित इंजीनियरों को दैनिक समय जगत समाचार पत्र का विशेष स्मृति संस्करण भेंट किया गया, जो देश के महान अभियंता और भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की स्मृति को समर्पित है। इस अंक के मुख्य पृष्ठ पर अंकित संदेश 'गर्व से कहें हम भारत रत्न अभियंता हैं, देश के विकास नियंता हैं' ने उपस्थित सभी जनों में एक नई ऊर्जा का संचार किया। समारोह के दौरान नर्मदापुरम के प्रतिष्ठित इंजीनियरों इंजी. सत्य चौहान, इंजी. मुकेश कुशवाह, इंजी. संजय रायकवार, इंजी. राजेश पाल, इंजी. नरेंद्र गोयल इंजी. राजीव पाठक तथा अन्य विशिष्ट

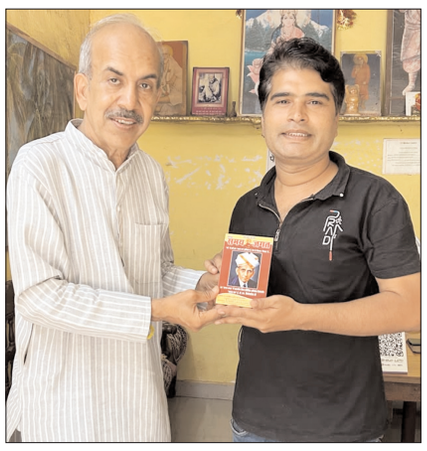

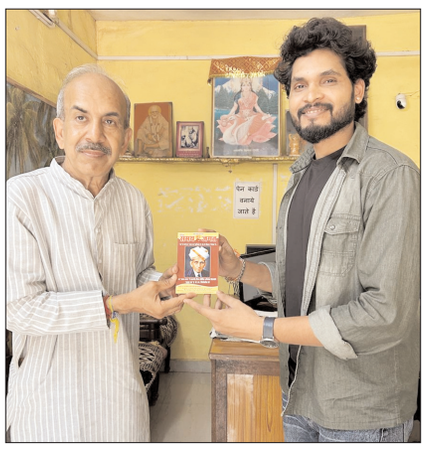

अभियंतागण को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि समय जगत परिवार हमेशा से तकनीकी और सामाजिक विकास में इंजीनियरों के अमूल्य योगदान को प्रोत्साहित करता रहा है। राष्ट्र निर्माण और आधारभूत संरचना को मजबूत करने में इंजीनियरों की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान है। इस प्रकार के आयोजनों से युवा पीढ़ी को देश के महान इंजीनियरों के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा मिलती है। समारोह के अंत में सभी ने सम्मानित इंजीनियरों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मंडी बोर्ड की जांच में खुलेगा टंकियों का राज

खिरकिया मंडी की दो टंकियों का मामला भोपाल तक पहुंचा, उठ रहे हैं गंभीर सवाल

खिरकिया। कृषि उपज मंडी खिरकिया में कुछ समय पहले लाई गई पानी की दो टंकियों के बाद में मंडी परिसर से बाहर चले जाने का मामला अब भोपाल स्तर तक पहुंचने की जानकारी सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार जल्द ही मंडी बोर्ड स्तर से एक जांच समिति खिरकिया कृषि उपज मंडी पहुंच सकती है। समिति द्वारा दोनों टंकियों के मंडी में आने से लेकर उनके बाहर जाने तक की पूरी जानकारी जुटाए जाने की बात कही जा रही है। जांच में यह देखा जा सकता है कि दोनों टंकियां मंडी में कब और कहां से लाई गईं, किसके माध्यम से लाई गईं, मंडी परिसर में उन्हें किस स्थान पर रखा गया और बाद में उन्हें किसके द्वारा तथा किस रास्ते से बाहर ले जाया गया। इसके साथ ही टंकियों से जुड़े दस्तावेज और संबंधित रिकॉर्ड की भी जांच किए जाने की संभावना है।

टंकियां बाहर, ढक्कन मंडी में — मामला बना चर्चा का विषय: मामले में सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि दोनों टंकियां मंडी परिसर से बाहर चली गईं, तो उनके ढक्कन अभी भी मंडी परिसर में क्यों रखे हुए हैं। टंकियों के ढक्कन मंडी में रखे होने की बात भी सामने आई है, जिसे जांच का महत्वपूर्ण बिंदु माना जा रहा है। जांच के दौरान यह स्पष्ट किया जाना जरूरी होगा कि टंकियां और उनके ढक्कन अलग-अलग स्थानों पर क्यों और कैसे पहुंचे।

कर्मचारियों की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल: सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडी के कर्मचरियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि कर्मचारियों की मिलीभगत से टंकियां मंडी में लाई गई थीं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। बताया जा रहा है कि जब टंकियां मंडी परिसर में लाई गई थीं, उस समय कुछ कर्मचारी भी मौजूद थे और टंकियों को व्यवस्थित तरीके से रखवाने में उनकी मौजूदगी बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार टंकियां एक बड़े वाहन से लाई गई थीं, जिसमें अन्य टंकियां भी रखी हुई थीं।

किसानों की टंकियां बताने की तैयारी?: मामले में यह भी चर्चा है कि अब इन दोनों टंकियों को किसानों की बताने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में जांच का मुख्य बिंदु यह रहेगा कि टंकियां वास्तव में किसकी थीं और उन्हें मंडी में किस उद्देश्य से लाया गया था। यदि टंकियां मंडी के कर्मचारियों के माध्यम से लाई गई थीं तो उनके संबंध में मंडी रिकॉर्ड में क्या उल्लेख किया गया है, यह भी जांच का विषय रहेगा। सूत्रों के अनुसार दोनों टंकियों को मंडी के पीछे वाले गेट से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें एक व्यक्ति के यहां रखवाए जाने और वहां से आगे किसी दूसरे स्थान पर शिफ्ट किए जाने की जानकारी भी सामने आ रही है। इन सभी दावों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

सीसीटीवी फुटेज से सामने आ सकती है पूरी सच्चाई: मंडी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग इस मामले की जांच में अहम साबित हो सकती है। फुटेज के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि दोनों टंकियां किस वाहन से मंडी के मुख्य गेट से अंदर आई, उन्हें ट्रॉली सेट में किस स्थान पर रखा गया और उस दौरान कौन-कौन लोग मौके पर मौजूद थे। इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण यह भी देखा जा सकता है कि टंकियां मंडी परिसर से कब बाहर निकलीं, किस गेट का इस्तेमाल हुआ, उन्हें किस वाहन से ले जाया गया और उस समय कौन-कौन लोग वहां मौजूद थे। किसानों की मांग है कि संबंधित अवधि की पूरी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सुरक्षित कराकर जांच में शामिल की जाए, ताकि टंकियों के मंडी में आने से लेकर बाहर जाने तक की पूरी गतिविधि स्पष्ट हो सके।

विश्वेश्वरैया जी की तस्वीर भेंट

अरुण चौधरी (एई) सहायक यंत्री जनपद पंचायत जीरापुर।

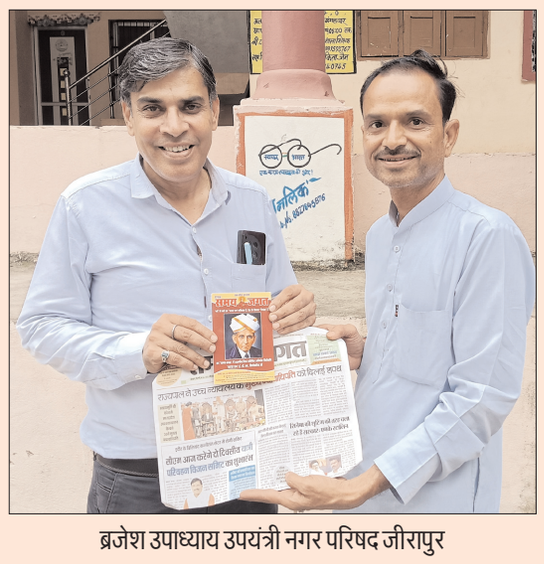

ब्रजेश उपाध्याय उपयंत्री नगर परिषद जीरापुर

निजी स्कूलों की मनमानी पर उठाए सवाल

जैन समाज ने सीएम डॉ.मोहन यादव और कलेक्टर सिद्धार्थ जैन को भेजा पत्र

समय जगत, हरदा। जैन धर्म के दशलक्षण (पर्युषण) पर्व और हिन्दू धर्म के गणेशोत्सव के दौरान स्कूलों में परीक्षाएं नहीं कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। श्री दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन और सहसचिव संजय पाटनी ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और कलेक्टर सिद्धार्थ जैन को पत्र भेजकर 15 से 25 सितंबर के बीच शासकीय, अर्धशासकीय, निजी और कान्वेंट स्कूलों में किसी भी प्रकार की परीक्षा नहीं रखने की मांग की है। समाज पदाधिकारियों ने पत्र में कहा कि परीक्षाओं और पढ़ाई के दबाव के कारण नई पीढ़ी धार्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक संस्कारों से दूर होती जा रही है। ऐसे में दशलक्षण पर्व और गणेशोत्सव जैसे अवसर बच्चों को अपनी संस्कृति, धर्म और संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। यदि इन्हीं दिनों स्कूलों में परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं तो विद्यार्थी पर्व की धार्मिक गतिविधियों में पूरी तरह शामिल नहीं हो पाएंगे। पत्र में निजी और कान्वेंट स्कूलों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। समाज का कहना है कि स्कूल प्रबंधन परीक्षा का टाइमटेबल तय करते समय धार्मिक पर्वों और विद्यार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक जरूरतों को भी ध्यान में रखें।

केवल अकादमिक कैलेंडर पूरा करने की जल्दबाजी में बच्चों को धार्मिक आयोजनों से दूर करना उचित नहीं है। समाज पदाधिकारियों ने यह भी तर्क दिया कि पर्व के दौरान कई स्थानों पर धार्मिक आयोजन, जुलूस, पंडाल, माइकों और अन्य कार्यक्रमों के कारण वातावरण में शोर रहता है। ऐसे में परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को भी परेशानी होती है।

इसलिए परीक्षाओं की तारीख पर्व से पहले या उसके बाद निर्धारित की जाए। जैन समाज ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि 2026 में ही नहीं, बल्कि आगामी वर्षों के लिए भी स्थायी निर्देश जारी किए जाएं, ताकि भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तक के 11 दिनों में स्कूल परीक्षाओं का आयोजन न करें। समाज ने राज्य शासन के स्कूली शिक्षा विभाग से सीबीएसई, आईसीएसई, माध्यमिक शिक्षा मंडल सहित सभी बोर्डों से संबद्ध स्कूलों के प्राचार्यों एवं प्रबंधन, जिला शिक्षा अधिकारियों और जिलों के कलेक्टरों को स्पष्ट निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। समाज पदाधिकारियों का कहना है कि बच्चों का भविष्य केवल परीक्षा और अंकों से नहीं बनता, बल्कि संस्कार, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना भी उनके व्यक्तित्व निर्माण का अहम हिस्सा हैं। इसलिए स्कूलों के वार्षिक एजुकेशन कैलेंडर और परीक्षा शेड्यूल बनाते समय प्रमुख धार्मिक पर्वों को ध्यान में रखना चाहिए। पत्र के अंत में समाज ने मुख्यमंत्री और प्रशासन से इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि इससे जैन एवं हिन्दू समाज की भावनाओं का सम्मान होगा और बच्चों को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा।

'हमारे गौरव- हमारे इंजीनियर' अभियान के तहत एनएस भंवर का किया सम्मान

समय जगत, इंदौर। समय जगत समूह द्वारा 15 सितंबर इंजीनियर्स डे के उपलक्ष्य में 'हमारे गौरव - हमारे इंजीनियर' सम्मान सीरीज चलाई जा रही है। इस उपलक्ष्य में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, इंदौर मंडल के अधीक्षण यंत्री एन. एस. भंवर को समय जगत के ब्यूरो प्रमुख प्रदीप जोशी क्षरा भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की तस्वीर भेंट की गई तथा श्री भंवर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एन. एस. भंवर ने कहा कि सर विश्वेश्वरैया के सिद्धांत और कार्य आज भी इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार को लेकर आयोजित की गई जागरुकता रैली

समय जगत, मैहर। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतना श्रीमती गीता सोलंकी के मार्गदर्शन में 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से तहसील न्यायालय मैहर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति मैहर श्री प्रहलाद सिंह कैमेथिया, न्यायिक अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली के माध्यम से आम नागरिकों को नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निराकरण कराने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री आदेश कुमार जैन, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री सुभाष सुनहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मैहर सुश्री भानु पंडवार, श्री उदयजीत कुंवर राव एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री पंकज कुमार श्रीवास्तव सहित न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सिविल न्यायालय मैहर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अनिल शुक्ला सहित अधिवक्तागण, न्यायालय कर्मचारी श्री मनमोहन पाण्डेय, श्री शाहिर रिजवानी, श्री सूर्यमणि द्विवेदी, श्री नरेंद्र कुशवाहा एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं म.प्र. विद्युत मंडल मैहर के जिला अभियंता अधिकारी श्री ओमेंद्र सिंह एवं अन्य कर्मचारी भी रैली में शामिल हुए।

श्रीमती मुखर्जी द्वारा छात्रों से उर्वरक और बायोलॉजिकल सेल पर किया गया संवाद

कलेक्टर बनीं शिक्षक, विद्यालय पहुंचकर छात्रों को पढ़ाया

समय जगत, मैहर। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरसरी, शासकीय उचित मूल्य की दुकान गुरसरी एवं आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी जब शासकीय विद्यालय में निरीक्षण पर पहुंची तो उन्होंने कक्षा 10 वीं की शिक्षक बन कर विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया और विद्यार्थियों को उर्वरक ,संविधान और बायोलॉजिकल सेल से संबंधित जानकारी देकर छात्रों से सवाल भी पूछे। विद्यार्थियों ने उत्साह से कलेक्टर से संवाद किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें भविष्य में कलेक्टर, डॉक्टर ,इंजीनियर, पुलिस और खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर प्राचार्य श्री सिंह और राजनीति शास्त्र के

शिक्षक श्री तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरसरी में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं तथा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर प्राचार्य श्री ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और राजनीति शास्त्र के शिक्षक श्री राम प्रकाश तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी भी दी। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, स्टॉक एवं पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराए जा रहे राशन की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने दुकान पर सप्लाई किए जा रहे गेहूं और चावल के नमूने देखे और हितग्राहियों से चर्चा कर यथास्थिति ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालक ने जानकारी दी कि वहां पर 516 लाभार्थी दर्ज है, उनमें से 400 लाभार्थियों को आज दिनांक तक राशन प्रदान किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की भावना के अनुरूप आमजन को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने तथा स्थानीय स्तर पर प्राप्त समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय

दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)